साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 17 से 23 मार्च 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 02 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए
www.shaharsatta.com
पेज 04
होली के सियासी रंग, शहरसत्ता के संग

सुशासन के चार चिन्हारी...
साय, साव, शर्मा और चौधरी

विजन डॉक्यूमेंट से छत्तीसगढ़ की विकास गाथा गढ़ने के लिए टीम साय जुटी

'गति', 'आस्था' और 'ज्ञान' की थीम पर प्रगति की ओर अग्रसर है छत्तीसगढ़

प्रदीप चंद्रवंशी
मुख्य संवाददाता

शहर सत्ता। हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे' जैसे संकल्प वाक्य के संग आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव देव साय का सुशासन अब जनता महसूस करने लगी है। विजन डॉक्यूमेंट से छत्तीसगढ़ की विकास गाथा गढ़ने के लिए टीम साय भी जुट गई है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि छत्तीसगढ़ के विकास और सुशासन की चार चिन्हारी साय, साव, चौधरी और शर्मा भाई कहलाने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर राज्य को 'गति', 'आस्था' और 'ज्ञान' की थीम पर प्रगति पथ पर अन्य बड़े राज्यों की तुलना में अग्रसर हैं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव प्रदेश के विकास के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और गांवों को शहरों से कनेक्ट कर रहे हैं। तो वहीं उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा युवा जोश के साथ दूरस्थ नक्सल प्रभावित अंचलों से खौफ का पर्याय बने लाल आतंक के खात्मे के लिए कमर कस चुके हैं। परिणाम भी दिख रहा है और पूरवर्ती सरकारों की तुलना में अब नक्सली बैकफुट पर हैं। इधर निर्माण, संसाधन और विकास की द्रुत गति के लिए वित्त मंत्री अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी और प्रदेश के यूथ आइकॉन ओपी चौधरी भी बजट की कमी नहीं होने देने कृतसंकल्प हैं। यह सब इसलिए भी संभव हो रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बचपन में संघर्ष भी देखा, गरीबी भी सहा और किसानों के अलावा प्रदेश की मां-बहनों की जरूरतों को उनके बीच रहकर समझा है।

सत्ता या अधिकार किस तरह ताश के पते की मानिंद भरभरा कर गिर जाता है। उसे छत्तीसगढ़ ने देखा है। न केवल देखा है, अपितु एक अभूतपूर्व जनादेश देकर यह सबक भी दिया है कि आप भले कुछ लोगों को हमेशा के लिए ठग सकते हैं, सभी लोगों को कुछ समय के लिए ठग सकते है, लेकिन हमेशा के लिए सारी जनता को ठगना संभव नहीं हो सकता। फिर से, छत्तीसगढ़ का निर्माण करने जनता जनार्दन ने सत्ता सौंपी और सत्ता में आते ही विष्णुदेव साय और उनकी टीम ने खोई हुई उस आस्था को बहाल किया है। सरकार अब पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पैदा किए भरोसे के संकट को समाप्त कर, छत्तीसगढ़ रचने निकल पड़ी है। इसी उद्घोष और स्वाभिमान से अपना सीना फुलाए कि हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे।

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री

अरुण साव
उप मुख्यमंत्री

विजय शर्मा
उप मुख्यमंत्री

ओपी चौधरी
वित्त मंत्री

बेमिसाल सवा साल

'हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे' के लक्ष्य के साथ हमारी सरकार जनता जनार्दन की सेवा में लगी है। गुजरे दिसंबर माह में जब मैंने मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी तब हमने 13 लाख किसानों को 3,716 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान करने का अपना वादा पूरा किया साथ ही महतारी वंदन योजना लागू करते हुए 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये की राशि प्रदान कर नारी शक्ति को आर्थिक तौर पर समृद्ध बनाया है। प्रदेश में प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से धान खरीदी निरंतर जारी है।

हम गर्व के साथ बताना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में पीएमएवाई-जी के तहत 5.11 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 2,044 करोड़ रुपये की पहली किस्त हस्तांतरित की है, ताकि वे अपना घर बना सके। हमारी सरकार नक्सलवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। अब तक 213 माओवादियों को ढेर किया, 787 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 789 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पीएससी में भ्रष्टाचार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों को जेल भेजा है। युवाओं के अधिक से अधिक रिक्त पदों पर सरकारी भर्ती प्रारंभ की है। इसके अलावा राज्य को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने तथा प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने की और सफलतापूर्वक कदम बढ़ाया है। कांकेर को देश का बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट अकर्ड मिलना हमारे इन प्रयासों पर मुहर है।

हम न तो थके हैं और न रुके हैं इसलिए आगामी चार सालों के लिए भविष्य के विकास का रोडमैप तैयार किया है। नूई औद्योगिक नीति लाकर हमने दशां दिया है कि 2047 के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे साथ ही राज्य को नए एजुकेशन हब और हेल्थ हुब के तौर पर तैयार करेंगे। आपको यह जानकर खुशी होगी कि 10 हजार करोड़ की राशि से चार नए राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए जा रहे हैं। माओवादियों के गढ़ में बीबारबी की मदद से 189 किलोमीटर का नया रास्ता बनाया जा रहा है। बेटियों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए तय किया है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाहित कन्या के खाते में सहायता राशि सीधे ट्रांसफ़र की जाएगी। विकास का नया रनवे तैयार करते हुए अब रायपुर एयरपोर्ट से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी हवाई उड़ाने शुरू होगी। बिलासपुर एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग की सुविधा और रायपुर से पटना एवं राँची के लिए नई हवाई सेवाओं की थी योजना बनाई गई है। इससे राज्य में आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। आगामी 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का जन्म दिवस है जिसे हम 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाएँगे। हमारी सरकार की नीतियाँ, योजनाओं की सफलता को देशभर में सराहना मिली है।

किसान परिवार से आने वाले उप मुख्यमंत्री श्री साव पेशे से अधिवक्ता रहे हैं। उन्होंने बतौर अधिवक्ता मुंगेली सिविल कोर्ट में प्रेक्टिस से लेकर राज्य के उप महाधिवक्ता तक का सफर तय किया है। बिलासपुर उच्च न्यायालय में प्रेक्टिस के बाद वे मार्च-2005 से फरवरी-2006 तक उप शासकीय अधिवक्ता, मार्च-2006 से अगस्त-2013 तक शासकीय अधिवक्ता और सितम्बर-2013 से जनवरी-2018 तक छत्तीसगढ़ के उप महाधिवक्ता रहे हैं। श्री साव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं अन्य संगठनों के सदस्य के रूप में 1990 से अनेक सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने साहू समाज के तहसील, जिला और प्रादेशिक संगठन में भी कई जिम्मेदारियां निभाई हैं। उन्हें कबड्डी, वॉलीबाल, क्रिकेट और बैडमिंटन जैसे खेल देखने और खेलने के साथ ही ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व के स्थलों का भ्रमण करने में भी खासी रूचि है। श्री अरुण साव 2019 में बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए। सांसद के रूप में वे 17वीं लोकसभा में कोयला और खान मंत्रालय के परामर्शदात्री समिति तथा कोयला और इस्पात संबंधी स्थाई समिति के सदस्य रहे। परवर्ती डॉ रमन सिंह सरकार को करारी शिकस्त देकर सत्ता में हेतिहासिक बहुमत हासिल कर आई भूपेश सरकार के खिलाफ बीजेपी प्रदेश संगठन अध्यक्ष रहते बखूबी रणनीति बनाई और प्रदेश में भाजपा की जित का मार्ग प्रशस्त किया। पीडब्ल्यूडी, नगरीय निकाय विभाग के लिए भी श्री साव कई अहम् फैसले लिए हैं। कटघोरा-डोंगरगढ़ रेललाइन के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्य में सड़कों के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 11 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र तथा संबंधित प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है।

विजय शर्मा छत्तीसगढ़ के फायर ब्रांड बीजेपी लीडर हैं और निर्वाचित उप-मुख्यमंत्री हैं। कवर्धा विधानसभा क्षेत्र से छत्तीसगढ़ विधान सभा के सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ के महासचिव हैं और पहले भारतीय जनता युवा मोर्चा, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं। शर्मा ने 1996 में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से भौतिकी सम्मान में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की और 2001 में मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल से मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन की डिग्री पूरी की। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलवाद को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जिसमें उन्होंने नक्सली हमले, और इनके पुर्नवास को लेकर आगे के प्लान पर भी रुपरेखा बनाये जाने की बात की है। उनका स्पर्श कहना है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगले 3 साल में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म करना है। प्रदेश में तेजी से हिंदुत्व और युवाओं का चेहरा बने विजय शर्मा आदिवासी अंचलों में विकास और शांति के लिए गंभीर प्रयास करते दिख रहे हैं। सरकार ने बस्तर अंचल में सुरक्षा बल के 34 कैंप स्थापित किए है। अभी 30 नए कैंप और स्थापित करने की योजना है। राज्य स्तर पर एनआईए की तर्ज पर एसआईए का गठन किया गया है। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में नए कैंपों के आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में नियद नेल्ला नार यानी आपका अच्छा गांव योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 17 विभागों की 53 कल्याणकारी योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 100 किमी मार्ग तथा 2 पुल और 52 पुलिया का निर्माण इन क्षेत्रों में किया गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में कौशल शिक्षा को एकीकृत करने की शुरूआत की गई है।

संघर्षशील लेकिन कामयाब जिंदगी हासिल पूर्व आईएएस और छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी की बौद्धिक क्षमता का आंकलन उनकी इन बातों से ही कर सकते हैं..."कोई जो पूछे शौर्य का पर्याय तो तुम गुंडाधुर की तलवार लिख देना। कोई पूछे समानता का पर्याय तो तुम गुरु घासीदास महान लिख देना। कोई जो पूछे राम-राम का पर्याय तो छत्तीसगढ़ी में जय जोहर लिख देना। अगर कोई जो पूछे चारों धाम का पर्याय तो तुम मेरे छत्तीसगढ़ का नाम लिख देना। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी ज्यादा का बजट पेश किया। कुल 1 लाख 65 हजार 100 करोड़ का ये बजट GATI थीम पर फोकस रखा है। 'गति', 'आस्था' और 'ज्ञान' की थीम पर प्रगति पथ पर छत्तीसगढ़ को ले जाने के लिए वित्त मंत्री ओपी चौधरी उन सभी विभागों को खुले हाथों से बजट दे रहे हैं। राज्य के युवा, गरीब, अन्नदाता, महिला, आदिवासी और सभी वर्गों के जरूरतमंद के लिए विजन डॉक्यूमेंट से छत्तीसगढ़ की विकास गाथा गढ़ने खासी मशक्कत कर रहे हैं। बता दें कि प्रदेश के पहले ऐसे वित्त मंत्री हैं श्री चौधरी जिन्होंने इस बार का बजट अपने हाथों से लिखकर तैयार किया है। इससे उनकी सोच, क्षमता, शक्ति और प्रदेशहित के लिए अंतःशक्ति परिलक्षित होती है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.65 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गई हैं। राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3% बढ़ाकर 53% किया गया है। पेट्रोल पर वैट में कटौती कर प्रति लीटर 1 रुपये की राहत दी गई है, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को सालाना 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

जनता के विश्वास की फिर से बहाली

पंकज झा

हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे' जैसे संकल्प पर आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव देव साय जी की सरकार ने अपने पंचवर्षीय कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर लिया, साथ ही प्रदेश अब पच्चीसवें वर्ष में प्रवेश कर गया है। भारतीय मनीषा इस वय का ऐसे बखान करता है जब पढ़ाई-लिखाई संपन्न कर कोई युवक जीवन समर में कूदता है। गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर परिवार, ग्राम, समाज, राज्य-राष्ट्र के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए खड़ा हो उठता है। हर तरह से योग्य होकर 'छत्तीसगढ़' अब उसी प्रकार जीवन समर में और अधिक ऊर्जा, अनुभव और योग्यता के साथ उत्तर पड़ा है। छत्तीसगढ़ की इस विकास यात्रा में साथ सरकार द्वारा लोकतंत्र में जनता के विश्वास की फिर से बहाली की उपलब्धि ही पाथेय है।

जनता और जनार्दन को ठग कर पायी गयी सत्ता या अधिकार किस तरह ताश के पत्ते की मानिंद भरभरा कर गिर जाता है. उसे छत्तीसगढ़ ने देखा है। न केवल देखा है, अपितु एक अभूतपूर्व जनादेश देकर यह सबक भी दिया है कि आप भले कुछ लोगों को हमेशा के लिए ठग सकते हैं, सभी लोगों को कुछ समय के लिए ठग सकते है. लेकिन हमेशा के लिए सारी जनता को ठगना संभव नहीं हो सकता। फिर से, छत्तीसगढ़ का निर्माण करने वाली अटलजी की पार्टी को जनता जनार्दन ने सत्ता सौंपी और सत्ता में आते ही विष्णुदेव साय जी की सरकार ने खोई हुई उस आस्था को बहाल किया है। सरकार अब पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पैदा किए भरोसे के संकट को समाप्त कर, छत्तीसगढ़ रचने निकल पड़ी है। इसी उद्घोष और स्वाभिमान से अपना सीना फुलाए कि हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे। इसी उद्घोष को मंत्र बनाते हुए अब सँवर रहा है छत्तीसगढ़। जाहिर है जिन्होंने बनाया ही नहीं दशकों, अवसर मिलने के बावजूद प्रदेश को, वे क्या खाक गढ़ते या संवारते नवा छत्तीसगढ़ को? उनके लिए तो बस जैसे अविभाजित मध्यप्रदेश में यह अंचल चारागाह बना हुआ था, वैसे ही प्रदेश निर्माण के बाद भी सरगुजा-बस्तर समेत सारा प्रदेश उनके लिए बस बैंक को तरह रहा जिसके एटीएम का दरवाजा किसी और जनपथ पर खुलता था। बहरहाल!

'मोदी की गारंटी' पर युद्ध स्तर पर काम करते हुए साय सरकार ने प्रदेश की महतारी बहनों, आदिवासियो, किसानों, युवाओं समेत हर वर्ग का भरोसा जीता है। छत्तीसगढ़ पर्याय है उत्सव का। पर्व और त्यौहार इसकी पहचान है। गर्व है इसे अपनी समृद्ध संरकृति और परम्परा पर। जनजातीय पहचान, इसकी उत्सवधर्मिता छत्तीसगढ़ को दुनिया के अन्य तमाम हिस्सों से अलग करती है।

सीमा सुरक्षा बल ने तालाबेड़ा कैम्प में खेली धूमधाम से होली

रायपुर। सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों और जवानों ने एकजुट होकर इस विशेष दिन को उत्साहपुर्ण तरीके से मनाया और एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। जवानों ने अपनी दैनिक जिम्मेदारियों से थोड़ी देर के लिए अलग होकर इस पारम्परिक भारतीय त्यौहार का आनंद लिया। इस उत्साहपूर्ण समारोह में, श्री हरी लाल, महानिरीक्षक कमांड मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़, विशेष रूप से रायपुर से अंतागढ़ के तालाबेडा कैम्प में 129 वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के साहसी जवानों के साथ होली का त्योहार मानने के लिए पहुंचे। इस कार्यक्रम में 129 वीं वाहिनी के अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों और जवानों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया, जिससे एकता और खुशी का वातावरण बना। होली का उत्सव न केवल जीवंत सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है, बल्कि सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों मे आपसी सौहार्द और लचीलेपन का भी प्रमाण मिलता है। सीमा सुरक्षा बल का यह प्रयास अपने कर्मयोगियों को सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का अनुभव देने का है, जिससे वे देश की सेवा में ओर भी प्रेरित हो सकें। इस दौरान, जवानों के बीच आपसी स्नेह और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा मिला, जिससे यह आयोजन और भी यादगार बन गया।

जशपुर के युवाओं ने भरी उड़ान, की पॉवर फ्लाईंग

जशपुर | जशपुर जिले के आदिवासी अंचल में पहली बार हल्के विमान उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह और रोमांच का माहौल बना हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल से शुरू हुए इस ऐतिहासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 3 सीजी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी रायपुर के चयनित कैडेट्स को पायलट बनने की दिशा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हर सुबह जब ट्वीन-सीटर एसडब्ल्यू 80 विमान आसमान में ऊंची उड़ान भरता है, तो आस-पास के लोगों के लिए यह दृश्य किसी सपने के साकार होने जैसा लगता है।

युवाओं के सपनों को नई उड़ान

यह पहली बार है जब रायपुर से बाहर जशपुर में इस स्तर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आदिवासी अंचल के युवाओं के लिए यह न केवल एक सुनहरा अवसर है, बल्कि उनके पायलट बनने के सपने को साकार करने का मंच भी है। लगभग एक महीने तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में कुल 100 कैडेट्स को विमान उड़ाने की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसकी शुरुआत 10 कैडेट्स से हो चुकी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा, "हमारी सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर देना है। जशपुर के आदिवासी युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, उन्हें सिर्फ सही मंच और मार्गदर्शन की जरूरत थी। यह प्रशिक्षण उन्हें वायुसेना में करियर बनाने के लिए एक नई दिशा देगा।"

प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कैडेट नितेश प्रजापति का कहना है, "हम पहली बार जशपुर में प्रशिक्षण के लिए आए हैं। यहां का स्वच्छ और सुंदर वातावरण हमें खास अनुभव दे रहा है। यह प्रशिक्षण हमारे लिए एयरफोर्स पायलट बनने की राह आसान बनाएगा।" वहीं, कैडेट प्रांशु चौहान ने बताया कि, "यहां हवाई यातायात कम होने के कारण प्रशिक्षण बिना किसी रुकावट के हो रहा है। रनवे क्लीयर होने की वजह से उड़ान भरना आसान हो जाता है। जशपुर की खूबसूरत वादियों में यह अनुभव हमें हमेशा याद रहेगा।"

एनसीसी कैडेट्स के लिए सुनहरा अवसर

कमांडिंग ऑफिसर ने बताया कि यह प्रशिक्षण कैडेट्स के उज्जवल भविष्य की नींव रख रहा है। उन्होंने कहा कि एनसीसी एयर विंग से C सर्टिफिकेट परीक्षा में अच्छे ग्रेड प्राप्त करने वाले कैडेट्स को सीधे भारतीय वायुसेना के इंटरव्यू के लिए पात्र माना जाता है। ऐसे में यह प्रशिक्षण युवा सपनों को हकीकत में बदलने का एक बड़ा मंच साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री साय की पहल से शुरू हुआ यह प्रशिक्षण न केवल जशपुर के युवाओं को प्रेरित कर रहा है, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक नवाचार और अवसर का नया द्वार खोल रहा है।

अश्लील सीडी कांड में भूपेश बघेल को बरी करने के फैसले को चुनौती

सीबीआई ने की रिवीजन फाइल दाखिल

रायपुर। अश्लील सीडी कांड मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मुश्किले फिर बढ़ सकती है। बघेल के खिलाफ पिछले दिनों विशेष न्यायाधीश ने बघेल पर लगाए गए आरोपों को हटाने का आदेश देते हुए साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए सीबीआई ने बुधवार को जिला न्यायाधीश की कोर्ट में रिवीजन फाइल की है,जिसे सुनवाई के लिए जिला जज ने सीबीआई की विशेष कोर्ट को भेज दिया है। इसकी सुनवाई चार अप्रैल को होगी।

मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई की ओर से दाखिल किए गए रिवीजन फाइल पर बहस होगी यदि सीबीआई की विशेष कोर्ट इस रिवीजन को स्वीकार कर लेता है तो भूपेश बघेल को कोर्ट में उपस्थित होने नोटिस जारी किया जायेगा। इसके बाद इस मामले की नए सिरे से सुनवाई होगी। गौरतलब है कि अश्लील सीडी कांड मामले में पिछले हफ्ते पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विनोद वर्मा और कैलाश मुरारका सीबीआई की विशेष अदालत में दूसरी बार पेश हुए थे। भूपेश बघेल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने कोर्ट में दलील रखते हुए कहा कि बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया है।

भूपेश ने कोई सीडी नहीं बनवाई और न ही सीडी बांटी है। उन्होंने किसी तरह का अपराध नहीं किया है। सुनवाई के बाद अदालत ने सभी धाराओं को हटाते हुए कहा था कि भूपेश बघेल के खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई ठोस आधार नहीं है।

भाजपाईयो को बचाने भारतमाला मुआवजे की सीबीआई जांच नहीं करवा रहे - कांग्रेस

केंद्र सरकार के खजाने पर डाका डाला गया

रायपुर। भारतमाला परियोजना के जमीन अधिग्रहण घोटाले की भाजपा सरकार लीपापोती करना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार इस मामले में संलिप्त भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एक पूर्व मंत्री, विधायक को बचाने के लिए ईओडब्ल्यू की जांच करवा रही है। भारत माला परियोजना केंद्र सरकार की योजना है। इस मामले में मुआवजे का जो घोटाला हुआ है उसमें केंद्र सरकार के खजाने पर डाका डाला गया है। अतः इसकी जांच केंद्र सरकार की एजेंसियों को करना चाहिये। केंद्रीय राशि पर घपले की जांच सीबीआई को करना चाहिये। साथ ही सैकड़ों रू. का लेन देन में जो गड़बड़ी किया गया है। अतः ईडी भी इस मामले की जांच करे।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारत माला परियोजना में अभी जो घोटाला सामने आया है वह तो केवल एक तहसील का है।

इस पूरे सड़क परियोजना के भूमि अधिग्रहण की सूक्ष्म जांच होनी चाहिये। यह हजारों करोड़ का सुनियोजित घोटाला है जिसमें संगठित गिरोह बना कर मुआवजा वसूला गया है। रायपुर से हैदराबाद सड़क के भूमि अधिग्रहण की जांच कराया जाना आवश्यक है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्री द्वारा यह कहा जाना कि कांग्रेस ने सीबीआई को बैन किया था वह सीबीआई जांच की मांग क्यों कर रही है यह अतार्किक बयान है। जब साय सरकार ने राज्य में सीबीआई के बैन को हटा दिया है। छोटे-छोटे मामले में सीबीआई जांच कराने की घोषणा की जाती है तब इतने बड़े घोटाले की जांच से डबल इंजन की सरकार क्यों घबरा रही है? किसको बचाने सीबीआई और ईडी की जांच नहीं करवाया जा रहा।

आबकारी घोटाला

लखमा के साथ आरोपियों की संख्या 21

ये हैं आरोपित

- कंपनी भाटिया वाइन एंड मर्चेंट प्राइवेट लिमिटेड।
- छत्तीसगढ़ डिस्टलरीज।
- वेलकम डिस्टलरीज।
- मेसर्स नेक्स्ट जेन।
- दिशिता उद्यम।
- ओम सांई वेबरेज।
- सिद्धार्थ सिंघानिया, कारोबारी।
- मेसर्स टाप सिक्यूरिटी के मालिकों के साथ नवीन केडिया।
- भूपेंद्र सिंह भाटिया, कारोबारी।
- राजेंद्र जायसवाल, कारोबारी।
- आइएएस निरंजनदास।
- रिटायर्ड आइएएस अनिल टुटेजा।
- आबकारी अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी।
- कवासी लखमा, पूर्व मंत्री।
- अनवर ढेबर, कारोबारी।
- अरविंद सिंह, कारोबारी।
- विजय भाटिया, कारोबारी।

रायपुर। प्रदेश के शराब घोटाले में ईडी ने 12 शराब निर्माता (डिस्टलरी) कंपनी के संचालकों को भी आरोपित बनाया है। 2,161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में अब कुल 21 नामजद आरोपित हो गए हैं। बुधवार को इस मामले में पूर्व आबकारी मंत्री व कांग्रेस नेता कवासी लखमा के खिलाफ 3,841 पन्नों का आरोप पत्र ईडी की विशेष कोर्ट में पेश किया। कवासी पिछले दो माह से रायपुर जेल में बंद हैं। रायपुर जेल में बंद हअनवर ढेबर के आवेदन पर कोर्ट ने डिस्टलरियों को आरोपित बनाया है। आरोप पत्र में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ डिस्टलरी को 48, भाटिया वाइन मर्चेंट को 28 और वेलकम डिस्टलरी को 24% दुकानों में शराब आपूर्ति का काम दिया गया था। आरोप पत्र में दावा किया गया है कि पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को हर महीने दो करोड़ रुपये कमीशन के तौर पर दिए जाते थे। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में तीन साल तक यह सिलसिला चला। 36 महीने में प्रोसीड ऑफ क्राइम 72 करोड़ रुपये का है।

घर और कांग्रेस भवन का कराया निर्माण

इन पैसों से सुकमा में कवासी के बेटे हरीश लखमा ने घर और कोंटा में कांग्रेस भवन का निर्माण कराया है। इस मामले में पहले से जेल में बंद अरुणपति त्रिपाठी और अरविंद सिंह ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के पास हर महीने कमीशन पहुंचता था। अरविंद सिंह ने बताया है कि शराब कर्टल से हर महीने लखमा को 50 लाख रुपये दिए जाते थे। यही नहीं 50 लाख रुपये के ऊपर भी 1.5 करोड़ रुपये और दिया जाता था।

होली के दौरान रायपुर पुलिस की कार्रवाई 329 वाहन जब्त

रायपुर। 13 एवं 14 मार्च को होली त्यौहार मनाया गया, होली पर्व के दौरान शहर में शांति एवं सौहार्दपूर्ण व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से डॉ. लाल उमेद सिंह उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ अधीक्षक जिला रायपुर के निर्देशन पर समस्त एडिशनल एसपी एवं डीएसपी के नेतृत्व में रायपुर शहर के 50 प्रमुख चौक चौराहा पर यातायात पुलिस एवं जिले के थाने के पुलिस के द्वारा चेकिंग पॉइंट लगाया गया था । चेकिंग के दौरान 251 वाहन चालकों पर तीन सवारी वाहन चलाने के कारण कार्यवाही करते हुए वाहन जप्त किए गए साथ ही 78 वाहन चालकों पर नशे की हालत में वाहन चलाने के कारण कार्यवाही करते हुए वाहन जप्त की गई है।

होली के सियासी रंग, शहरसत्ता के संग

सीएम साय के नगाड़े की थाप पर ठुमकते दिखे नेता प्रतिपक्ष

शहरसत्ता/रायपुर

रायपुर। विधानसभा परिसर में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत सहित तमाम विधायकों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। आयोजन का पूरा माहौल होली के उल्लास में सराबोर रहा। मंत्रियों और विधायकों ने पारंपरिक फाग गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिस पर विधानसभा सदस्य झूमते नजर आए।

होली मिलन समारोह में लोक परंपरा का विशेष रंग देखने को मिला। मंत्री-विधायकों द्वारा गाए गए फाग गीतों से विधानसभा परिसर में सांस्कृतिक समृद्धि की झलक दिखी। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने मुख मुरली बजाए, छोटे से श्याम कन्हैया गीत की प्रस्तुति दी। विधायक अनुज शर्मा ने का तैं मोला मोहिनी डाल दिये रे और रंग बरसे गीत गाकर समां बांध दिया। विधायक कुंवर सिंह निषाद ने फागुन मस्त महीना और चना के डार राजा गीत गुनगुनाया। विधायक दिलीप लहरिया ने नदिया के पार म, कदली कछार म गीत सुनाया। लोकप्रिय कवि सुरेंद्र दुबे ने अपनी हास्य और होली की रंगीन कविताओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा कई टीमों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी को सम्मानित किया।

गृह ग्राम बगिया में ग्रामीणों संग सीएम ने मनाई होली

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने होली के रंगों में सराबोर अपने गृह ग्राम बगिया में ग्रामीणों के साथ आत्मीयता से होली का पर्व मनाया। मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया में सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने और होली की शुभकामनाएं देने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया, गुलाल लगाया और पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड स्थित ग्राम टाटीडांड पहुँचे, जहाँ उन्होंने सनातन समाज के दुर्गा देवी संत समाज द्वारा आयोजित वार्षिक अनुष्ठान में भाग लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान राधा-कृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में गुरु महाराज स्व. धनपति पंडा के पुत्र सहदेव पंडा की विशेष उपस्थिति रही। यह अनुष्ठान हर वर्ष फाल्गुन माह में होली के पावन पर्व पर आयोजित किया जाता है, जिसमें मुख्यमंत्री साय अनेक वर्षों से शामिल होते रहे हैं।

(होलियाना मूड में वाट्सअप ग्रुप की टिप्पणी)
बुरा ना मानो होली है

विष्णु देव साय:
नारा है इनका जरूर सायं सांय पर सच ये है कि इनके दांय बाँय के अलावा किसी का नहीं हो रहा सांय सांय,,
चल रहा आंय बांय , दांय बाँय को करो बाँय बॉय,, नहीं तो हो जाएगा सांय सांय
जोगिरा सारा रा रा,,

अरुण साव :
जिनके कारण सरकार आई वही है साइड लाइन
खाओ खिलाओ विभाग में ऐसे उलझे की मार्गदर्शक मंडल हो गया है ज्वाइन,,.
जोगिरा सारा रा रा,,

बृजमोहन अग्रवाल :
दक्षिण से हुए दूर मंत्रिमंडल का हुआ त्याग,
कौन कैकई ने आग। लगाई , की राजकाज मिलते मिलते मिल गया बनवास,,
जोगिरा सारा रा रा,,

ओपी:
बड़े-बड़े ख्वाब ने किया बदनाम,, शुरुआती उड़ान में ही कट गए पंख तमाम,,
जोगिरा सारा रा रा,,

सुनील सोनी:
गधे के सिंग से किस्मत लिखवाया,,
अब राज्यपाल बनने का ख्वाब सजाया,,
जोगिरा सारा रा रा,,

नरवा गरवा घुरवा बारी,
अब
कोई नहीं है संगवारी
जेला मिलत हे मौका
सब निपटावत हे अपन अपन बारी..

दीपक बैज :
जब-जब इन्होंने कोई सूची बनाई ,उनकी कुर्सी खतरे में आई,
विधानसभा ,लोकसभा अब निकाय और पंचायत बन गया है जंजाल,,,
सूची ऊंची का चक्कर छोड़ो वरना बन्ने की दोस्ती बन रही है जी का जंजाल,,
जोगिरा सारा रा रा..

चंद्रशेखर शुक्ला:
एनसीपी , कांग्रेस और अब भाजपा
चुनावी जीत से फिर भी अब तक नहीं जुड़ पाया कोई नाता ,,
जोगिरा सारा रा रा..

चरण दास महंत :
ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर ,,,
दिल्ली से लेकर रायपुर तक सब इनके है ये सब के है
नहीं डालते यह किसी के फटे में पैर,,

पुरंदर मिश्रा :
खत्म हुआ उड़ीसा कनेक्शन , अब निपटाने की है तैयारी ..
खुल कर चलेगी अब सत्ता संगठन की अय्यारी ,,,
जोगिरा सारा रा रा..

सुशील आनंद :
एक खेरा ने निपटाया, दूसरे खेरा ने बचाया
खेरा के फेर में निकल गए 5 साल,
अब तो चेले ही चल रहे हैं निपटने की चाल ..
जोगिरा सारा रा रा..

विजय शर्मा :
झंडे से निकले, झंडा गाड़ने की थी उम्मीद
लेकिन डंडों ने ऐसे उलझाया की कार्यकर्ता है नाउम्मीद,,
जोगिरा सारा रा रा..

मीनल चौबे :
जनता ने मेयर की चेयर पर बैठा चौबे जी को छब्बे जी बनाया ...
पर बेटे के एक केक कांड ने दुबे बना कर लौटाया ,,,
जोगीरा सारा रा रा,,,

अमित चिमनानी :
ऐसे चिमनी क्या टिमटिमाएगी जिसकी ना दिया, ना बाती,,
फोटो खींचो जितनी खिंचवा लु , पर काम की दो ना कोई पाती,,
जोगिरा सारा रा रा..

संदीप साहू :
किस्मत हो तो ऐसी.. टिकट मांगी रायपुर से, मिली कसडोल..
अब कसडोल से बज रहा है पूरे प्रदेश में ढोल..
इस ढोल से कई नेताओं का आसन है डामाडोल,,

रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों संग होलियाना अंदाज में दिखे सीएम

रायपुर। होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर भी है। यह पर्व हमें छोटी-छोटी अनबन को भुलाकर नए सिरे से दोस्ती की शुरुआत करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय का रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों ने अनूठे अंदाज में भिंडी की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रेस क्लब के होली विशेषांक 'सेंसलेस टाइम्स' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब में पर्वों को मिल-जुलकर मनाने की एक गौरवशाली परंपरा है। हर साल इस होली उत्सव में शामिल होने का अवसर मिलता है। मैं रायपुर प्रेस क्लब परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। रायपुर प्रेस क्लब के होली मिलन समारोह में रंगों और उमंग का अनोखा नज़ारा देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने खुद नगाड़ा बजाकर उत्सव का जोश दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री के नगाड़ा बजाते ही समारोह में मौजूद पत्रकारों ने तालियों से उत्साह बढ़ाया।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

शैतान से समझौता तो भुगतो....

अर्थशास्त्री मुनादी कर रहे हैं कि ट्रंप यदि 2 अप्रैल को अपनी जिद पूरी कर लेते हैं, तो दुनिया के बाजार मंदी की मार से बेहाल हो जाएंगे। मंदी आएगी या नहीं, आएगी तो कितनी और कब तक उसका कहर कायम रहेगा? इन सवालों के निश्चित जवाब भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना तय है कि आने वाले महीने निम्न मध्यवर्ग और निचले तबकों पर भारी पड़ने वाले हैं। अप्रैल में अगर कर-युद्ध शुरू हो गया, तो महंगाई नई पींगें भर सकती है। किसी ने ठीक ही कहा है कि 'जब आप शैतान से कोई समझौता करते हैं, तो वह अपना बकाया वसूलने पलटकर जरूर आता है।'

अमेरिका के बदले रुख-रवैये ने समूची दुनिया को झिंझोड़कर रख दिया है। 'एड्रेस टु द नेशन' में ट्रंप ने कहा कि मेक्सिको, कनाडा और चीन के बाद वह अब भारत, ब्राजील सहित कई देशों पर उतना ही सीमा शुल्क लागू करेंगे, जितना वे अमेरिका से वसूलते रहे हैं। उम्मीद के अनुरूप इन देशों ने तत्काल पलटवार किया और शेयर बाजारों में इसकी विपरीत प्रतिक्रिया हुई। विश्व भर के निवेशकों को अपने अरबों डॉलर डूबते नजर आने लगे। इससे मची चिल्ल-पों से सकते में आए डोनाल्ड ट्रंप ने तीन देशों पर थोपे गए कर-युद्ध को फ़िलहाल के लिए 2 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया है, पर कयास कायम है, बकरे की मां भला कब तक खैर मनाएगी?

ट्रंप को नजदीक से जानने वाले उन्हें हमेशा से संरक्षणवादी और साम्राज्यवादी मानते हैं। मेक्सिको खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने के लिए दबाव बनाया। इससे पहले वह कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने और ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धौंस दे चुके हैं। अब तक व्यापारिक संरक्षणवाद की मुखालफत करने वाले अमेरिका का यह रवैया क्या संरक्षणवाद को आगे बढ़ाने वाला नहीं है? ट्रंप की अगुवाई वाला अमेरिका अब एक-एक करके ऐसी तमाम संस्थाओं से मुक्ति पाना चाहता है, जो उसकी अकूत सामरिक और आर्थिक इमदाद से चल रही हैं।

तीन बरस पहले अमेरिका के भरोसे रूस को आंखें दिखाते वक्त वोलोदिमीर जेलेंस्की को यह सीख याद आई होती, तो आज उनकी और उनके देशवासियों की यह दुर्दशा न होती। यूक्रेन के लोग रूस और अमेरिका, दोनों के छल का शिकार हुए हैं। वोलोदिमीर जेलेंस्की को जिस अंदाज में जलील कर 'ओवल ऑफिस' से बाहर निकाला गया, उसे इतिहास उन पन्नों में दर्ज करेगा, जहां मेमनों के प्रति भेड़ियों के निर्मम व्यवहार की गाथाएं लिखी हुई हैं। कीव लौटकर मजबूर जेलेंस्की ने ट्रंप के समक्ष समर्पण कर दिया। अब यूक्रेन की खनिज संपदा पर अमेरिका का भी हक होगा। सवाल उठ रहे हैं कि क्या समझौते के बाद रूस कब्जा की हुई जमीन यूक्रेन को वापस लौटाएगा? ऐसे में, सवाल उठना लाजिमी है कि तीन वर्ष की इस जानलेवा जंग का हासिल क्या रहा? क्यों 43,000 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई और लाखों लोगों को जलालत और जलावतनी का शिकार होना पड़ा?

तय है, हम एक नई विश्व-व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें जानलेवा क्षेत्रीय संघर्षों, बगावतों और दहशतगर्दी की प्रवृत्तियों में इजाफा हो सकता है। इससे हथियारों की होड़ बढ़ेगी और जन-कल्याण पर खर्च होने वाले धन में कटौती होगी। ऐसे में, सवाल उठना लाजिमी है कि क्या 1990 के दशक से स्थापित हुए शैतान की पूंजीवादी शैली से समझौते से यही हासिल है?

अपने सपनों में रंग भरता छत्तीसगढ़

प्रो.संजय द्विवेदी

छत्तीसगढ़ों से संगठित जनपद छत्तीसगढ़ । लोकधर्मी जीवन संस्कारों से अपनी ज़मीन और आसमान रचता छत्तीसगढ़। भले ही राजनैतिक भूगोल में उसकी अस्मितावान और गतिमान उपस्थिति को मात्र 25 वर्ष हुए हैं, पर सच तो यही है कि अपने रचनात्मक हस्तक्षेप की सुदीर्घ परंपरा से वह राजनीति, साहित्य,कला और संस्कृति के राष्ट्रीय क्षितिज में ध्रुवतारे की तरह स्थायी चमक के साथ जाना-पहचाना जाता है । यदि उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश आदि से भारतीय और हिंदी संस्कृति के सूरज उगते रहे हैं तो छत्तीसगढ़ ने भी निरंतर ऐसे-ऐसे चाँद-सितारों की चमक दी है, जिससे अपसंस्कृति के कृष्णपक्ष को मुँह चुराना पड़ा है। अपनी आदर्श परंपराओं और संस्कारों के लिए जाना जाने वाला छत्तीसगढ़ सही अर्थों में सद्भावना का टापू है। भारतीय परम्परा की उदात्तता इसकी थाती है और सामाजिक समरसता इसका मूलमंत्र। सदियों से अपनी इस परंपरा के निर्वहन में लगी यह धरती अपनी ममता के आंचल में सबको जगह देती आयी है। शायद यही कारण है कि राजनीति की ओर से यहां के समाज जीवन में पैदा किए जाने वाले तनाव और विवाद की स्थितियां अन्य प्रांतों की तरह कभी विकराल रूप नहीं ले पाती हैं।

समता के गहरे भावः समाज की शक्तियों में समता का भाव इतने गहरे पैठा हुआ है कि तोड़ने वाली ताकतों को सदैव निराशा ही हाथ लगी है। संतगुरू घासीदास से लेकर पं. सुन्दरलाल शर्मा तक के प्रयासों ने जो धारा बहाई है वह अविकल बह रही है और सामाजिक तौर पर हमारी शक्ति को, एकता को स्थापित ही करती है। इस सबके मूल में असली शक्ति है धर्म की, उसके प्रति हमारी आस्था की। राज्य की धर्मप्राण जनता के विश्वास ही उसे शक्ति देते हैं और अपने अभावों, दर्दों और जीवन संघर्षों को भूलकर भी यह जनता हमारी समता को बचाए और बनाए रखती है। प्राचीनकाल से ही छत्तीसगढ़ अनेक धार्मिक गतिविधियों और आंदोलनों का केन्द्र रहा है। इसने ही क्षेत्र की जनता में ऐसे भाव भरे जिससे उसके समतावादी विचारों को लगातार विस्तार मिला। खासकर कबीरपंथ और सतनाम के आंदोलन ने इस क्षेत्र को एक नई दिशा दी। इसके ही समानांतर सामाजिक तौर पर महात्मा गांधी और पं. सुन्दरलाल शर्मा के प्रभावों को हम भुला नहीं सकते।

अप्रतिम धार्मिक विरासतः छत्तीसगढ़ में मिले तमाम अभिलेख यह साबित करते हैं तो यहां शिव, विष्णु, दुर्गा, सूर्य आदि देवताओं की उपासना से संबंधित अनेक मंदिर हैं। इसके अलावा बौद्ध एवं जैन धर्मों के अस्तित्व के प्रमाण यहां के अभिलेखों से मिलते हैं। कलचुरिकालीन अभिलेख भी क्षेत्र की धार्मिक आस्था का ही प्रगटीकरण करते हैं। छत्तीसगढ़ में वैष्णव पंथ का अस्तित्व यहां के साहित्य, अभिलेख, सिक्के आदि से पता चलता है। विष्णु की मूर्ति बुढ़ीखार क्षेत्र में मिलती है जिसे दूसरी सदी ईसा पूर्व की प्रतिमा माना जाता है। शरभपुरीय शासकों के शासन में वैष्णव पंथ का यहां व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ। ये शासक अपने को विष्णु का उपासक मानते थे। इस दौर के सिक्कों में गरूड़ का चित्र भी अंकित मिलता है। शरभपुरीय शासकों के बाद आए पांडुवंशियों ने भी वैष्णव पंथ के प्रति ही आस्था जतायी। इस तरह यह पंथ विस्तार लेता गया। बाद में बालार्जुन जैसे शैव पंथ के उपासक रहे हों या नल और नाम वंशीय या कलचुरि शासक, सबने क्षेत्र की उदार परंपराओं का मान रखा और धर्म के प्रति अपनी आस्था बनाए रखी। ये शासक अन्य धर्मों के प्रति भी उदार बने रहे। इसी तरह प्रचार-प्रसार में बहुत ध्यान दिया। कलचुरि नरेशों के साथ-साथ शैव गुरूओं का भी इसके प्रसार में बहुत योगदान रहा। शाक्तपंथ ने भी क्षेत्र में अपनी जगह बनायी। बस्तर से लेकर पाली क्षेत्र में इसका प्रभाव एवं प्रमाण मिलता है। देवियों की मूर्तियां इसी बात का प्रगटीकरण हैं। इसी प्रकार बौद्ध धर्म के आगमन ने इस क्षेत्र में बह रही उदारता, प्रेम और बंधुत्व की धारा को और प्रवाहमान किया। चीनी यात्री हवेनसांग के वर्णन से पता चलता है कि इस क्षेत्र में बौद्ध धर्म का प्रभाव था। आरंग, तुरतुरिया और मल्लार इसके प्रमुख केन्द्र थे। हालांकि कलचुरियों के शासन काल में बौद्ध धर्म की लोकप्रियता कम होने लगी पर इसके समाज पर अपने सकारात्मक प्रभाव छोड़े। जैन धर्म अपनी मानवीय सोच और उदारता के लिए जाना जाने वाला धर्म है। यहां इससे जुड़े अनेक शिल्प मिलते हैं। रतनपुर, आरंग और मल्लार से इसके प्रमाण मिले हैं।

शांति और सद्भाव की धाराओं का प्रवक्ताः छत्तीसगढ़ क्षेत्र में व्याप्त सहिष्णुता की धारा को आगे बढ़ाने में दो आंदोलनों का बड़ा हाथ है। तमाम पंथों और धर्मों की उपस्थिति के बावजूद यहां आपसी तनाव और वैमनस्य की धारा कभी बहुत मुखर रूप में सामने नहीं आयी। कबीर पंथ और सतनाम के आंदोलन ने सामाजिक बदलाव में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बदलाव की इस प्रक्रिया में वंचितों को आवाज मिली और वे अपनी अस्मिता के साथ खड़े होकर सामाजिक विकास की मुख्यधारा का हिस्सा बन गए। कबीर पंथ और सतनाम का आंदोलन मूलतः सामाजिक समता को समर्पित था और गैरबराबरी के खिलाफ था। यह सही अर्थों में एक लघुक्रांति थी जिसका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा। हिंदू समाज के अंदर व्याप्त बुराइयों के साथ-साथ आत्मसुधार की भी बात संतवर गुरू घासीदास ने की। उनकी शिक्षाओं ने समाज में दमित वर्गों में स्वाभिमान का मंत्र फूंका और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। छत्तीसगढ़ में सतनाम के प्रणेता बाबा गुरूघासीदास थे। 1756 को गिरोद नामक गांव में जन्मे बाबा ने जो क्रांति की, उसके लिए यह क्षेत्र और मानवता सदैव आभारी रहेगी। मूर्तिपूजा, जातिभेद, मांसाहार, शराब व मादक चीजों से दूर रहने का संकल्प दिलवाकर सतनाम ने एक सामाजिक आंदोलन का रूप धारण कर लिया। भारत जैसे धर्मप्राण देश की आस्थाओं का यह क्षेत्र सही अर्थों में एक जीवंत सद्भाव का भी प्रतीक है। रतनपुर, दंतेश्वरी, चंद्रपुर, बमलेश्वरी में विराजी देवियां हों या राजीवलोचन और शिवरीनाराण या चम्पारण में बह रही धार्मिकता सब में एक ऐसे विराट से जोड़ते हैं जो हमें आजीवन प्रेरणा देते हैं। धार्मिक आस्था के प्रति इतने जीवंत विश्वास का ही कारण है कि क्षेत्र के लोग हिंसा और अपराध से दूर रहते अपने जीवन संघर्ष में लगे रहते हैं। यह क्षेत्र अपने कलागत संस्कारों के लिए भी प्रसिद्ध है। जाहिर है धर्म के प्रति अनुराग का प्रभाव यहां की कला पर भी दिखता है। शिल्प कला, मूर्ति कला, स्थापत्य हर नजर से राज्य के पास एक महत्वपूर्ण विरासत मौजूद है। भोरमदेव, सिरपुर, खरौद, ताला, राजिम, रतनपुर, मल्लार ये स्था कलाप्रियता और धार्मिकता दोनों के उदाहरण हैं। राज्य गठन के बाद इसके सांस्कृतिक वैभव की पहचान तथा मूल्यांकन जरूरी है। सदियों से उपेक्षित पड़े इस क्षेत्र के नायकों और उनके प्रदेय को रेखांकित करने का समय अब आ गया है। इस क्षेत्र की ऐतिहासिकता और योगदान को पुराने कवियों ने भी रेखांकित किया है। आवश्यक है कि हम इस प्रदेय के लिए हमारी सांस्कृतिक विरासत को पूरी दुनिया के सामने बताएं। बाबू रेवाराम ने अपने ग्रंथ 'विक्रम विलास' में लिखा हैः

जिनमें दक्षिण कौशल देसा, जहँ हरि औतु केसरी वेसा,

तासु मध्य छत्तीसगढ़ पावन, पुण्यभूमि सुर-मुनि-मन-भावन।

राजनीति की एक अलग धाराः छत्तीसगढ़ की इसी सामाजिक-धार्मिक परंपरा ने यहां की राजनीति में भी सहिष्णुता के भाव भरे हैं। उत्तर भारत के तमाम राज्यों की तरह जातीयता की भावना आज भी यहां की राजनीति का केंद्रीय तत्व नहीं बन पायी है। मप्र के साथ रहते हुए भी एक भौगोलिक इकाई के नाते अपनी अलग पहचान रखनेवाला यह क्षेत्र पिछले सालों में विकास के कई सोपान पार कर चुका है। अपनी तमाम समस्याओं के बीच उसने नए रास्ते देखे हैं। विकास के सवाल पर सर्वत्र एक ललक दिखती है। राजनीतिक जागरूकता भी बहुत तेजी से बढ़ी है।

शिव ही जीव समाना...

सुशील भोले

छव सनातन ये, आदि ये अंत ये, हम सबके जीवन के गीत ये संगीत ये। संत कबीर दास जी उंकर संबंध म कहे हें- 'ज्यूं बिम्बहिं प्रतिबिम्ब समाना, उदिक कुम्भ बिगराना, कहैं कबीर जानि भ्रम भागा शिव ही जीव समाना।" माने शिव सब कुछ ये, साकार ये, निराकार ये। समुंदर म छछले पानी कस निराकार घलो उही ये, त कोनो मरकी करसी म समा के वोकर रूप के आकार धरे साकार घलो उही ये। उही आत्मा ये, उही परमात्मा ये। जीव घलो उही ये अउ शिव रूपी परमात्मा घलो उही ये।

महादेव के ये पावन परब म आज उंकर जम्मो रूप के, सरूप के सुरता करे के मन होवत हे। काबर उनला सर्वस्व कहे जाथे, माने जाथे एला सिरिफ साधना के माध्यम ले जे आत्मज्ञान मिलथे वोकरे द्वारा जाने जा सकथे। हर आदमी ल वो साधना करना चाही। काबर ते आज हमर मन जगा जतका भी लिखित अउ प्रकाशित रूप म साहित्य उपलब्ध हे, सब आपस म विरोधाभास पैदा करथें। तेकर सेती जेन कोनो ल भी सत्य तक पहुंचना हे, शिव तक पहुंचना हे, सुन्दर तक पहुंचना हे, वोला किताबी जंजाल ले बाहिर निकल के स्वतंत्र रूप ले साधना के माध्यम ले ज्ञान प्राप्त करना चाही। शिव ल मुख्य रूप ले तीन रूप म हमर आगू रखे जाथे- शिव लिंग या पिंड रूप, जटाधारी रूप अउ ज्योर्ति बिन्दु रूप। शिव ये तीनों रूप म लोगन ल अपन चिन्हारी दिए हें, उपासना के प्रतीक दिए हें अउ जीये के रस्ता बताये हें। ज्योति स्वरूप ह वोकर मूल रूप ये, लिंग स्वरूप ह वोकर पूजा प्रतीक ये अउ जटा स्वरूप ह वोकर जीवन दर्शन ये। हमन ल जुन्ना ग्रंथ म एक कथा मिलथे के सृष्टिकाल म ब्रम्हा अउ विष्णु म कोन बड़े आय ये बात के सेती झगरा होवत रहिथे। दूनों अपन आप ल बड़े कहंय, तब दूनों के बीच म अग्नि स्तंभ के रूप म परमात्मा के प्रादूर्भाव होइस, अउ उनला ये कहिके शांत कराए गिस के असली तो मैं आंव, तुमन आपस म काबर लड़त हौ। तुंहला जेन बुता खातिर भेजे गे हवय वोला पूरा करव। तब जाके ब्रम्हा अउ विष्णु के झगरा थिराइस। ये अग्नि या ज्योति परगट होए के तिथि ह अगहन महीना के पुन्नी के तिथि आय। एकरे सेती अगहन महीना ल विशेष महीना माने जाथे। अग्नि स्वरूप परमात्मा ल अग्नि स्वरूप, ज्योति स्वरूप या ज्योर्तिबिन्दु के रूप म उल्लेख करे गे हवय।

लागथे एकर असल कारन वो रूप के साक्षात करने वाला मनला वो दृश्य ल व्यक्त करे खातिर सहज ढंग ले जेन प्रतीक मिलिस तेकर उल्लेख करीन फेर आय सब एके मूल चीज। साधना काल म जब परमात्मा प्रसन्न होके साधक जगा ऊपर ले आथे तब जगाजग चमकत आके वोकर माथ म प्रवेश कर जाथे या फेर दिया जलाके रखे गे होथे वोकर बरत बाती म आसन पाथे। सृष्टि निरमान के बाद जब देवता मन परमात्मा ले अपन पूजा अउ उपासना के प्रतीक दिये के गोहार लगाइन तब उनला शिव लिंग के पूजा प्रताक दिये गिस। शिवलिंग के बारे म ए जानना जरूरी हवय के वोहर तेज रूप म संपूर्ण ब्रम्हाण्ड म व्याप्त सर्वव्यापी परमात्मा के प्रतीक स्वरूप आय।

कोंदा-भैरा के गोठ

होली मान के अँगना म सूते के चालू हो जावय जी भैरा.. फेर जब ले गाँव के भाँठा म रकसा बरोबर करिया धुँगिया उगलत फैक्टरी आय हे तब ले अकबकावत कुरियच म खुसरे राह कस होगे हे.

-हव जी कोंदा.. हमरो मन के इही हाल हे.. ए धुँगिया उगलत फैक्टरी मन के मारे तो गाँव के कुआँ अउ तरिया ह घलो आरुग नइ बाँचे हे.. देखबे ते पानी के उप्पर म पपड़ी बरोबर जमे असन दिखथे राख ह, बने ससन भर न नहाए सकस न गुरतुर पानी आय कहिके अँखमुंदा पीए सकस.

-हव भई.. अउ तोला सुरता हे.. पढ़त राहन त गरमी के छुट्टी भर रतिहा के सूतई ल तरिया पार के मंदिर के छत ऊपर करन.

-हव जी अड़बड़ नींद परय.. मार फुरुर-फुरुर हवा.. एक चद्दर के जाड़ वोमा पूरा सीजन भर जनावय, फेर अब तो फैक्टरी के धुँगिया ह उहों पट्टाय रहिथे.. मार करियच करिया.. उहाँ सूतई तो दुरिहा जाय बइठे म घलो अलकर अस जनाथे.

-सही आय संगी.. हमन अपन पीरा ल कतकों गोहरावत हवन.. लोगन ल जनवावत हावन, फेर प्रदूषण विभाग ल ए सब ले कोनो लेना देना नइए न हमर ए तीर के कोनो जनप्रतिनिधि मनला.

भाषा विवाद पर बोले पवन कल्याण

हिंदी से दिक्कत है तो फायदे के लिए हिंदी में फिल्में डब न करें

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश)। अपनी पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनसेना प्रमुख ने कहा कि देश की अखंडता के लिए भारत को तमिल समेत कई भाषाओं की जरूरत है. पवन कल्याण ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) का नाम नहीं लिया लेकिन कटाक्ष करते हुए तमिलनाडु के नेताओं पर पाखंड का आरोप लगाया. पवन कल्याण की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और डीएमके शासित तमिलनाडु के बीच 'तीन-भाषा फार्मूले' को लेकर तीखी नोकझोंक चल रही है, जो नई शिक्षा नीति का हिस्सा है.

हिंदी-तमिल भाषा विवाद में अब आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की एंट्री हो गई है. पवन कल्याण ने तमिलनाडु पर पाखंड करने का आरोप लगाया और कहा कि इसके नेता वित्तीय लाभ हासिल करने के लिए तमिल फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं, लेकिन भाषा का विरोध करते हैं. अपनी पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनसेना प्रमुख ने कहा कि देश की अखंडता के लिए भारत को तमिल समेत कई भाषाओं की जरूरत है. पवन कल्याण ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) का नाम नहीं लिया लेकिन कटाक्ष करते हुए तमिलनाडु के नेताओं पर पाखंड का आरोप लगाया.

मुझे डंडों से पीटा गया, सात दिन तक खाई जेल की रोटी : शाह

गोलाघाट। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को असम के दौरे पर पहुंचे। गृहमंत्री अमित शाह ने डेरगांव में लचित बरफुकन पुलिस अकादमी के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान जनसभा को संबोधित भी किया।

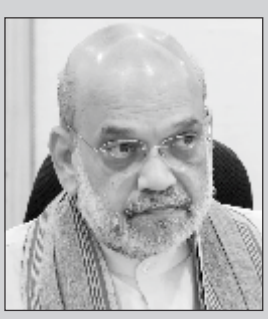

अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में हितेश्वर सैकिया के कार्यकाल के दौरान उनकी नजरबंदी को याद किया। अमित शाह ने उस समय का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि असम में कांग्रेस सरकार के दौरान, उनके साथ मारपीट की गई और उन्होंने राज्य में सात दिनों तक जेल का खाना खाया। डेरगांव में लचित बरफुकन पुलिस अकादमी के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए शाह ने कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि कांग्रेस ने असम में शांति नहीं रहने दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि असम में कांग्रेस सरकार ने मुझे भी पीटा है। हितेश्वर सैकिया असम के मुख्यमंत्री थे और हम पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के खिलाफ नारे लगाते थे कि 'असम की गलियां सुनी हैं, इंदिरा गांधी खूनी है'। मैंने भी असम में सात दिनों तक जेल का खाना खाया था और पूरे देश से लोग असम को बचाने के लिए आए थे। आज असम विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

दुनिया का चौधरी बनने चले ट्रंप को पुतिन ने दिया झटका

रूस ने 30 दिनों के सीजफायर को नकारा

वॉशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को आंख दिखाते हैं. लेकिन जब बात रूसी राष्ट्रपति पुतिन की आती है तो वह धमकी देने की जगह डील की बात करते हैं. ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बात की है और युद्ध खत्म होने की एक अच्छी संभावना है. ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पुतिन से यह भी कहा है कि वह कुर्स्क में घिरे यूक्रेनी सैनिकों की जान बख्श दें. ट्रंप के इस बयान के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें झटका दे दिया है. दरअसल जब ट्रंप ने यूक्रेनी सैनिकों की जान बख्शने की बात कही तो उन्हें लगा होगा कि पुतिन बहुत ही आसानी से चीजों को होने देंगे. लेकिन पुतिन ने अब सीधे कह दिया है कि अगर यूक्रेनी सैनिकों को अपनी जान बचानी है तो उन्हें सरेंडर करना होगा. यह दिखाता है कि दुनिया के लिए 'चौधरी' बनने वाले अमेरिका का रूस पर जोर नहीं चलता.

इसका एक उदाहरण शुक्रवार को देखने को मिला जब रूस ने 30 दिनों के सीजफायर को नकार दिया. दरअसल सऊदी अरब में यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों की मीटिंग हुई थी. इस मीटिंग के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 30 दिनों के सीजफायर पर सहमति जताई थी, लेकिन राष्ट्रपति पुतिन के करीबी यूरी उशाकोव ने अब एक लंबे सीजफायर पर जोर दिया है. उशाकोव ने अस्थायी युद्धविराम को यूक्रेनी सैनिकों के लिए अस्थायी राहत से ज्यादा कुछ नहीं बताया. रूस के कुर्स्क इलाके पर पिछले साल यूक्रेनी सैनिकों ने अचानक हमला किया था. यूक्रेनी सैनिकों ने इस हमले के जरिए रूस के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया. कुर्स्क क्षेत्र पर कब्जा यूक्रेन को बातचीत में बढ़त देता है. इसके जरिए यूक्रेन अपने उन इलाकों से रूस को हटने के लिए मजबूर कर सकता है, जिसे फिलहाल पुतिन की सेना ने कब्जाया हुआ है. शुक्रवार को ट्रंप ने दावा किया कि हजारों यूक्रेनी सैनिकों को रूस ने घेरा हुआ है।

यूक्रेन का सरेंडर चाहते हैं पुतिन

डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से पुतिन को युद्ध में फायदा मिलता दिख रहा है. यही कारण है कि वह कुर्स्क में मौजूद यूक्रेनी सैनिकों का सरेंडर चाहते हैं. अगर हजारों यूक्रेनी सैनिक रूस के युद्धबंदी बन जाते हैं तो पुतिन को आगे की बातचीत में बड़ी बढ़त मिलेगी. पुतिन ने ट्रंप के आह्वान पर कहा, 'मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि अगर यूक्रेनी सैनिक अपने हथियार डाल देते हैं और आत्मसमर्पण कर देते हैं तो अंतरराष्ट्रीय कानून और रूसी संघ के कानूनों के मुताबिक उनकी जान बख्श दी जाएगी.' रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने एक पोस्ट में धमकी भरे लहजे में कहा, 'यदि यूक्रेनी सैनिक अपने हथियार डालने से इनकार करते हैं, तो वे सभी निर्दयतापूर्वक नष्ट कर दिए जाएंगे.'

वोटर आईडी होगा आधार से लिंक

18 मार्च को EC की बड़ी बैठक; EPIC पर भी बनेगी बात

नई दिल्ली। मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों में विपक्ष के हमले झेल रहा चुनाव आयोग अब इसे दुरुस्त करने की कवायद में जुट गया है। इसके लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को यूआइडीएआई और केंद्र सरकार के उच्च अधिकारियों की बैठक बुलाई है।

माना जा रहा है कि बैठक में मतदाता सूची को आधार के साथ जोड़ने की राह की बाधाओं को दूर करने के लिए अहम फैसला लिया जा सकता है। चुनाव आयोग के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार बैठक में ज्ञानेश कुमार के साथ-साथ अन्य दोनों चुनाव आयुक्त, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, विधायी सचिव राजीव मणि और यूआइडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार मौजूद रहेंगे। भुवनेश कुमार की मौजूदगी मतदाता सूची को आधार के डाटाबेस से जोड़ने और राजीव मणि की उपस्थिति इसकी राह में आ रही कानूनी बाधाओं को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाने की ओर इशारा करती है। ध्यान देने की बात है कि मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद ज्ञानेश कुमार ने तीन महीने के भीतर मतदाता सूची में गड़बड़ी को पूरी तरह से दूर करने का भरोसा दिया था। यह बैठक इसके लिए ही बुलाई गई है।

विपक्ष ने उठाया मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा

गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव तक ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाने वाली कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मतदाता सूची में गड़बड़ी में बड़ा मुद्दा बना लिया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2024 में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच महाराष्ट्र में 39 लाख नए मतदाता जोड़ने को महाअघाड़ी गठबंधन की हार का कारण बताया और चुनाव आयोग से जवाब तलब किया। वहीं, दिल्ली में अपनी हार के लिए आम आदमी पार्टी भी मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगा रही है।

पद्म पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन शुरू

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें , 15 मार्च 2025, से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई 2025 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित, इन पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों के अंतर्गत 'उत्कृष्ट कार्य' के लिए सम्मानित किया जाता है। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किए जाते हैं।

भारत का नंबर वन दुश्मन हाफिज सईद भी खल्लास?

क्या उसका भी गेमओवर, पाक में गुपचुप चर्चा

इस्लामाबाद। क्या भारत का नंबर वन दुश्मन खल्लास हो गया है? जी हां, आतंकी हाफिज सईद को लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है. लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के मारे जाने का दावा है. पाकिस्तान में गुपचुप चर्चा है कि आतंकी हाफिज सईद का भी गेमओवर हो गया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और पाकिस्तानी हैंडल पर हाफिज सईद पर हमले का दावा किया जा रहा है. एक्स पर तो हाफिज सईद ट्रेंड कर रहा है. कई अकाउंट से दावा किया गया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में झेलम इलाके में जमात-उद-दावा मुखिया और मुंबई हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद मारा गया है. हालांकि, इसकी कोई पुष्टि नहीं हो पाई

इस्लामाबाद। क्या भारत का नंबर वन दुश्मन खल्लास हो गया है? जी हां, आतंकी हाफिज सईद को लेकर बड़ा दावा किया जा रहा है. लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के मारे जाने का दावा है. पाकिस्तान में गुपचुप चर्चा है कि आतंकी हाफिज सईद का भी गेमओवर हो गया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और पाकिस्तानी हैंडल पर हाफिज सईद पर हमले का दावा किया जा रहा है. एक्स पर तो हाफिज सईद ट्रेंड कर रहा है. कई अकाउंट से दावा किया गया कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में झेलम इलाके में जमात-उद-दावा मुखिया और मुंबई हमले का मास्टरमाइंड हाफिज सईद मारा गया है. हालांकि, इसकी कोई पुष्टि नहीं हो पाई है. एक्स पर लगातार हाफिज सईद ट्रेंड में बना हुआ है. उसकी हत्या के पोस्ट से सोशल मीडिया बजबजा उठा है. अलग-अलग पोस्ट में दावे किए जा रहे हैं कि पंजाब के झेलम में जब हाफिज सईद जा रहा था, तब अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर हमला किया. इस हमले में उसके करीबी आतंकी अबु कताल सिंधि स्पॉट पर ही मारा गया. इसमें ड्राइवर की भी मौत हो गई. जबकि कई पाकिस्तानी ट्विटर हैंडल का दावा है कि इसी गाड़ी में हाफिज सईद भी था. वह बुरी तरह घायल हो गया और उसे रावलपिंडी ले जाया गया, जहां उसकी मौत की खबर है.

कौन है हाफिज सईद?

हाफिज सईद भारत का मोस्ट वांटेड आतंकी है. हाफिज सईद भारत की मोस्ट वांटिड आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल है. इतना ही नहीं, वह 26-11 के मुंबई हमलों का मास्टरमाइंड है. साथ ही हाफिज सईद पुलवामा अटैक का भी मास्टरमाइंड है. भारत के अलावा भी कई अन्य देशों ने हाफिज सईद को आतंकवादी घोषित किया है. हाफिज सईद और उसके संगठन पर अमेरिका ने इनाम भी घोषित किया है. हाफिज सईद का आंतकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा है. इस आतंकी संगठन पर लगभग 1 करोड़ डॉलर का इनाम है।

धरती से आए साथियों को देख खुशी से झूम उठीं सुनीता

केप कैनवेरल (अमेरिका)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लंबे समय से फंसे अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को तैनात करने के लिए एक दिन पहले रवाना हुआ 'स्पेसएक्स' का यान रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया। इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे चार नए अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, जापान और रूस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे कुछ दिन विलियम्स और विल्मोर से स्टेशन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा। विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट में रोहित होंगे कप्तान?

नई दिल्ली। रोहित को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान सिडनी में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था जिससे इस प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर चर्चा का बाजार गर्म हो गया था। हालांकि, रोहित के नेतृत्व में भारत ने हाल ही में न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था जो उसका पिछले नौ महीने में दूसरा आईसीसी खिताब था। चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए चुना जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रोहित इस दौरे पर कप्तानी कर सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले रोहित खराब दौर से गुजर रहे थे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा

रोहित को बीसीसीआई का समर्थन

रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित को इस दौरे पर कमान संभालने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और चयन समिति का समर्थन हासिल है। एक सूत्र ने इस रिपोर्ठ के हवाले से कहा, रोहित ने दिखाया है कि वो क्या कर सकते हैं। सभी को लगता है कि वह इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। रोहित ने भी लाल गेंद के क्रिकेट में खेलना जारी रखने की इच्छा जताई है।

संन्यास की खबरों को नकारा

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीतने के बाद कप्तान रोहित ने भी भविष्य को लेकर चीजें स्पष्ट की थी। उनका कहना था कि वह संन्यास नहीं ले रहे हैं और उनके भविष्य को लेकर अटकलें फर्जी हैं।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं कोहली

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को क्रिकेट में अपने फ्यूचर के बारे में बात की। कोहली ने कहा कि शायद उनके पास एक और ऑस्ट्रेलिया दौरा करने की क्षमता नहीं है। कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 से पहले बेंगलुरु पहुंचने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) इनोवेशन लैब में यह खुलासा किया। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपने हालिया संघर्षों पर विचार करते हुए कोहली ने कहा, "शायद मेरे पास एक और ऑस्ट्रेलिया दौरा करने की क्षमता नहीं है, इसलिए जो कुछ भी अतीत में हुआ है, मैं उससे संतुष्ट हूं।" कोहली के इस बयान के बाद कयास लगाए जाने लगे हैं कि आने वाले समय में विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। कोहली ने स्वीकार किया, "वास्तव में मुझे नहीं पता कि रिटायरमेंट के बाद मैं क्या करूंगा।"

चैंपियंस ट्रॉफी जीत पर गर्व

दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत पर विराट कोहली ने गर्व किया। कोहली ने कहा, "एक टीम के रूप में हमने दूसरों की तुलना में परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर ढंग से ढाला, इसलिए चैंपियंस ट्रॉफी जीती।"

म्यूचुअल फंड दे रहे धोखा! 10 महीनों से हालत बुरी

नई दिल्ली. शेयरों में पैसा लगाने वाले म्यूचुअल फंड की स्थिति 10 महीने में सबसे खराब हो गई है. इक्विटी म्यूचुअल फंड में इन्फ्लो में 10 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है. जनवरी में जहां इक्विटी म्यूचुअल फंड में 39,687 करोड़ रुपये का निवेश आया था जो फरवरी में 26 फीसदी घटकर 29,303 करोड़ रुपये रह गया. म्यूचुअल फंड में गिरावट के बाद अब एक्सपर्ट्स अन्य निवेश विकल्पों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं. एक्सपर्ट्स द्वारा कुछ ऐसे विकल्प सुझाए जा रहे हैं जहां कम रिस्क के साथ अच्छा पैसा बनाया जा सकता है. इसमें ईटीएफ और हाइब्रिड फंड्स शामिल हैं. आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं.

हाइब्रिड फंड्स

इन फंड में आपको इक्विटी सेविंग्स फंड, बैलेंस एडवांटेज फंड, मल्टी एसेट फंड और एसेट एलोकेटर फंड्स का मिक्स मिल जाता है. इससे आपके रिटर्न की संभावना भी बढ़ जाती है और रिस्क भी कम रहता है. इंडिया टुडे की एक खबर के अनुसार, स्क्रिपबॉक्स के मैनेजिंग पार्टनर सचिन जैन ने कहा है कि हाइब्रिड फंड्स मौजूदा मार्केट में अच्छा विकल्प हैं. उनका कहना है कि 12 लाख रुपये की सालाना आय वाले लोगों को फिक्स्ड इनकम विकल्पों को देखना चाहिए जहां से उन्हें 7.5 से 8 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है. लेडरअप एसेट मैनेजमेंट के एमडी राघवेंद्र नाथ का कहना है कि तेज उतार-चढ़ाव का सामना कर रहे इस बाजार में निवेशकों को फिक्स्ड डिपॉजिट और कॉर्पोरेट बॉन्ड्स जैसे विकल्पों पर भी ध्यान देना चाहिए.

ईटीएफ

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में निवेश से पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन होता है और रिस्क भी घटता है. राघवेंद्र नाथ कहते हैं कि अपने पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में डालने से आपका रिस्क भी कम होता है और पोर्टफोलियो डायवर्सिफाई हो जाता है. हालांकि, एक्सपर्ट्स पूरी तरह से म्यूचुअल फंड से दूरी बनाने के भी खिलाफ हैं. उनका कहना है कि कोई भी अच्छा फंड एक शेयर में पूरे पोर्टफोलियो का 3-4 फीसदी से अधिक पैसा नहीं लगाता है. जैन ने कहा है कि ज्यादा पैसा निवेशक तभी खोएंगे जब वह भारी गिरावट के बीच फंड से बाहर निकलने लगते हैं.

घर में रखा जा सकता है केवल इतना ही सोना

नई दिल्ली। भारत में सोना खरीदना काफी शुभ माना जाता है। वहीं ज्यादातर लोग शादी या किसी शुभ अवसर पर ही सोना खरीदना पसंद करते है। इसके साथ ही भारतीय महिलाएं सोने के आभूषण पहनना काफी पसंद करती है। वही लोग अपने बच्चों की शादी के लिए पहले से ही सोना खरीद कर घर में रखते हैं। लेकिन आप एक लिमिट तक ही सोना फिजिकल फॉर्म में रख सकते हैं। अगर आप इस लिमिट से ज्यादा सोना घर में रखते हैं, तो आपको इनकम टैक्स विभाग को जवाब देना होगा। इसलिए सोना खरीदने से पहले इससे जुड़े नियम चेक कर लें। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) के अनुसार कुछ चीजों की खरीद पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक विरासत में मिला पैसा, एक लिमिट तक सोना खरीद या स्टोर और एग्रीकल्चर में कोई टैक्स नहीं देना होता है। इसलिए अगर आप घर में एक लिमिट तक सोना स्टोर करते हैं, तो कोई भी आपकी ऑफिशियल तलाशी नहीं ले पाएगा।

अविवाहित महिलाएं- घर में 250 ग्राम ही सोना रख सकती है।

अविवाहित पुरुष- केवल 100 ग्राम सोना रखने की अनुमति दी गई है।

विवाहित महिलाएं- 500 ग्राम सोना तक ही रख सकती है।

विवाहित पुरुष- घर में 100 ग्राम सोना ही रख सकती है।

इंडसइंड बैंक की हालत स्थिर खाताधारक चिंता न करें: RBI

27% गिरा था बैंक का शेयर

इंडसइंड बैंक ने 10 मार्च को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया था कि इंटरनल रिव्यू में डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग डिस्क्रिपेन्सी यानी गड़बड़ी का पता चला है। इसके चलते बैंक की कमाई में कमी आ सकती है और नेटवर्थ 2.35% तक गिर सकती है। इस खबर के बाद इंडसइंड बैंक के शेयरों में मंगलवार (11 मार्च) को 27% की गिरावट आई थी।

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी R B I ने 15 मार्च को कहा कि इंडसइंड बैंक के पास पर्याप्त कैपिटल है और उसकी फाइनेंशियल कंडीशन भी स्टेबल है। दरअसल, 10 मार्च को इंडसइंड बैंक ने स्टॉक मार्केट बंद होने के बाद अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लैप्सेज यानी गड़बड़ी का खुलासा किया था। इसके चलते 11 मार्च को बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। बैंक के भविष्य को लेकर कई तरह की बातें भी शुरू हो गई थीं।

RBI के मुताबिक, दिसंबर 2024 में खत्म तिमाही में इंडसइंड बैंक का कैपिटल एडक्वेसी रेशियो (CAR) 16.46% और प्रोविजन कवरेज रेशियो (PCR) 70.20% था। 9 मार्च 2025 को बैंक का लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (LCR) भी 113% था, यह RBI की 100% की शर्त से ज्यादा है।

RBI ने स्टेटमेंट में कहा कि बैंक ने सिस्टम के रिव्यू और डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लैप्सेज से होने वाले नुकसान का पता लगाने के लिए एक एक्सटर्नल ऑडिट टीम को नियुक्त किया है। केंद्रीय बैंक ने बैंक के बोर्ड और मैनेजमेंट को चौथी तिमाही में सभी जरूरी उपाय करने और स्टेकहोल्डर्स को जरूरी जानकारियों से अवगत कराने को कहा है। RBI ने यह भी कहा है कि इंडसइंड बैंक के डिपॉजिटर्स को बैंक के बारे में चल रही चर्चाओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। बैंक की फाइनेंशियल कंडीशन स्टेबल है और केंद्रीय बैंक स्थिति पर नजर रख रहा है।

भारत 2028 तक बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मार्गन स्टेनली की रिपोर्ट

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा फर्म मार्गन स्टेनली ने कहा है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसकी वजह यह है कि उस समय भारत दुनिया का सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार बन जाएगा और वैश्विक उत्पादन में उसकी बड़ी हिस्सेदारी होगी।

2023 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थ्ज्ञा से भारतीय आर्थिकी के 2026 में 4.7 ट्रिलियन डालर तक बढ़ने का अनुमान है। इससे अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। 2028 में भारत जर्मनी से आगे निकल जाएगा, क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था 5.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी। मार्गन स्टेनली के अनुसार, भारत 1990 में दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जो 2000 में 13वें स्थान पर आ गई और 2020 में 9वें स्थान पर और 2023 में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। 2029 में वैश्विक जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह भारत के विकास के तीन परिदृश्यों का अनुमान लगाती है। अगर मंदी आती है तो अर्थव्यवस्था 2025 में 3.65 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2035 तक 6.6 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी।

अगर यही क्रम चलता है तो यह बढ़कर 8.8 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी और अगर अर्थव्यवस्था में तेजी आती है तो इसका आकार बढ़कर 10.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। इसी तरह, मंदी परिदृश्य में प्रति व्यक्ति जीडीपी 2025 में 2,514 डॉलर से बढ़कर 2035 में 4,247 डॉलर, मौजूदा परिस्थितियों में 5,683 डॉलर और तेजी के परिदृश्य के तहत 6,706 अमेरिकी डॉलर हो जाएगी।

इस बार आईपीएल में नौ भारतीय कप्तान

आईपीएल 2025 का बेसबरी से इंतजार कर रहे फैंस के लिए अच्छी खबर है। इस साल का आईपीएल 22 मार्च से शुरू होगा और पहला मैच गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। टूर्नामेंट से पहले ही सभी टीमों के कप्तानों के नाम सामने आ चुके हैं। इनमें से 9 भारतीय खिलाड़ी हैं, जबकि एक विदेशी खिलाड़ी भी टीम की कमान संभालेगा। आइए जानते हैं सभी टीमों के कप्तानों के बारे में।

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़

2024 में एमएस धोनी के कप्तानी पद छोड़ने के बाद रुतुराज गायकवाड़ ने चेन्नई की कमान संभाली। हालांकि पिछले सीजन में टीम का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा था।

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या

हार्दिक पांड्या ने 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी, लेकिन टीम अंतिम स्थान पर रही। इसके बावजूद हार्दिक को इस साल भी कप्तान बनाए रखा है।

कोलकाता नाइट राइडर्स - अजिंक्य रहाणे

गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स ने अनुभवी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे को इस साल का कप्तान बनाया है। रहाणे पहले राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद - पैट कमिंस

पैट कमिंस ने पिछले सीजन में हैदराबाद को फाइनल तक पहुंचाया था। इस साल भी वह टीम की कमान संभालेंगे और हैदराबाद का लक्ष्य नौ साल बाद ट्रॉफी जीतना है।

दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल

दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत की जगह अक्षर पटेल को आईपीएल 2025 के लिए कप्तान बनाया है। पिछले सीजन में दिल्ली का प्रदर्शन औसत रहा था।

गुजरात टाइटन्स - शुभमन गिल

शुभमन गिल ने हार्दिक के बाद पिछले सीजन में गुजरात की कप्तानी की थी। इस साल भी वह टीम का नेतृत्व करेंगे और टाइटन्स को ट्रॉफी दिलाने की कोशिश करेंगे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - रजत पाटीदार

रजत पाटीदार इस साल RCB के नए कप्तान होंगे। डुप्लेसिस की जगह लेते हुए पाटीदार को कप्तानी का जिम्मा मिला है। RCB का लक्ष्य इस बार पहली बार ट्रॉफी जीतना है।

पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर ने पिछले एक साल में क्रिकेट के विभिन्न रूपों में पांच ट्रॉफी जीती हैं। पंजाब किंग्स ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें कप्तान बनाया है।

लखनऊ सुपर जायंट्स - ऋषभ पंत

ऋषभ पंत ने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में लखनऊ सुपर जायंट्स से साइन किया है और इस साल टीम की कप्तानी भी करेंगे। पंत के नेतृत्व में LSG ट्रॉफी जीतना चाहेगी।

राजस्थान रॉयल्स - संजू सैमसन

संजू सैमसन ने राजस्थान के साथ आईपीएल करियर शुरू किया था और अब वह टीम के कप्तान हैं। उनके नेतृत्व में राजस्थान का लक्ष्य इस साल ट्रॉफी जीतना है।

ओपनिंग मैच खेलने वाली टीमें नहीं बन पाती चैंपियन

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का ओपनिंग मुकाबला इस बार 22 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा. लेकिन आईपीएल के हरेक ओपनिंग मैच से जुड़ा एक अजीबोगरीब संयोग है. जो शायद क्रिकेट फैन्स ना जानते हों। 2008 से अब तक आईपीएल के 17 सीजन खेले जा चुके हैं. इनमें सिर्फ 5 बार ही ओपनिंग मैच खेलने वाली (हार या जीत) दोनों टीमों में से कोई एक चैम्पियन बनी है. इसमें भी 3 बार वही टीम चैम्पियन बनी है, जिसने ओपनिंग मैच जीता हो. जबकि सिर्फ 2 बार ही आईपीएल का ओपनिंग मैच हारने वाली टीम उस सीजन में चैम्पियन बनी है. ऐसे में यह आंकड़े KKR और RCB के फेवर में बहुत ही कम जाते नजर आ रहे हैं. यही कारण है कि रहाणे और पाटीदार को इस बार ज्यादा सतर्क रहना होगा, क्योंकि उन्हें ही मौजूदा सीजन का पहला मैच खेलना है. इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 का आगाज 22 मार्च को होगा. पहला मुकाबला अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली डिफेंडिंग चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के बीच होना है. पिछली बार यानी आईपीएल 2024 का खिताब कोलकाता टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) को हराकर जीता था. इस बार RCB की कप्तानी रजत पाटीदार के हाथों में है. ऐसे में उनके सामने सबसे बड़ा चैलेंज RCB को अपना पहला IPL खिताब जिताने का है.

आईपीएल मैच का शेड्यूल

क्र.	दिनांक	मैच	समय	स्थान
1	मार्च 22, शनिवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	शाम 7:30 बजे	कोलकाता
2	मार्च 23, रविवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स	दोपहर 3:30 बजे	हैदराबाद
3	मार्च 23, रविवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस	शाम 7:30 बजे	चेन्नई
4	मार्च 24, सोमवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	शाम 7:30 बजे	विशाखापत्तनम
5	मार्च 25, मंगलवार	गुजरात टाइटंस बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद
6	मार्च 26, बुधवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	गुवाहाटी
7	मार्च 27, गुरुवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
8	मार्च 28, शुक्रवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	शाम 7:30 बजे	चेन्नई
9	मार्च 29, शनिवार	गुजरात टाइटंस बनाम मुंबई इंडियंस	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद
10	मार्च 30, रविवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	दोपहर 3:30 बजे	विशाखापत्तनम
11	मार्च 30, रविवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	शाम 7:30 बजे	गुवाहाटी
12	मार्च 31, सोमवार	मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	मुंबई
13	अप्रैल 1, मंगलवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	लखनऊ
14	अप्रैल 2, बुधवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात टाइटंस	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
15	अप्रैल 3, गुरुवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	शाम 7:30 बजे	कोलकाता
16	अप्रैल 4, शुक्रवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस	शाम 7:30 बजे	लखनऊ
17	अप्रैल 5, शनिवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स	दोपहर 3:30 बजे	चेन्नई
18	अप्रैल 5, शनिवार	पंजाब किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स	शाम 7:30 बजे नया	चंडीगढ़
19	अप्रैल 6, रविवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	दोपहर 3:30 बजे	कोलकाता
20	अप्रैल 6, रविवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम गुजरात टाइटंस	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
21	अप्रैल 7, सोमवार	मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	शाम 7:30 बजे	मुंबई
22	अप्रैल 8, मंगलवार	पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	शाम 7:30 बजे	नया चंडीगढ़
23	अप्रैल 9, बुधवार	गुजरात टाइटंस बनाम राजस्थान रॉयल्स	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद
24	अप्रैल 10, गुरुवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
25	अप्रैल 11, शुक्रवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	चेन्नई
26	अप्रैल 12, शनिवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम गुजरात टाइटंस	दोपहर 3:30 बजे	लखनऊ
27	अप्रैल 12, शनिवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
28	अप्रैल 13, रविवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	दोपहर 3:30 बजे	जयपुर
29	अप्रैल 13, रविवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस	शाम 7:30 बजे	दिल्ली
30	अप्रैल 14, सोमवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	शाम 7:30 बजे	लखनऊ
31	अप्रैल 15, मंगलवार	पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	नया चंडीगढ़
32	अप्रैल 16, बुधवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम राजस्थान रॉयल्स	शाम 7:30 बजे	दिल्ली
33	अप्रैल 17, गुरुवार	मुंबई इंडियंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	शाम 7:30 बजे	मुंबई
34	अप्रैल 18, शुक्रवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
35	अप्रैल 19, शनिवार	गुजरात टाइटंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स	दोपहर 3:30 बजे	अहमदाबाद
36	अप्रैल 19, शनिवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	शाम 7:30 बजे	जयपुर
37	अप्रैल 20, रविवार	पंजाब किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	दोपहर 3:30 बजे	नया चंडीगढ़
38	अप्रैल 20, रविवार	मुंबई इंडियंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	शाम 7:30 बजे	मुंबई
39	अप्रैल 21, सोमवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम गुजरात टाइटंस	शाम 7:30 बजे	कोलकाता
40	अप्रैल 22, मंगलवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स	शाम 7:30 बजे	लखनऊ
41	अप्रैल 23, बुधवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
42	अप्रैल 24, गुरुवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम राजस्थान रॉयल्स	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
43	अप्रैल 25, शुक्रवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	शाम 7:30 बजे	चेन्नई
44	अप्रैल 26, शनिवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	कोलकाता
45	अप्रैल 27, रविवार	मुंबई इंडियंस बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	दोपहर 3:30 बजे	मुंबई
46	अप्रैल 27, रविवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	शाम 7:30 बजे	दिल्ली
47	अप्रैल 28, सोमवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम गुजरात टाइटंस	शाम 7:30 बजे	जयपुर
48	अप्रैल 29, मंगलवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	दिल्ली
49	अप्रैल 30, बुधवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	चेन्नई
50	मई 1, गुरुवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस	शाम 7:30 बजे	जयपुर
51	मई 2, शुक्रवार	गुजरात टाइटंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद
52	मई 3, शनिवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
53	मई 4, रविवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम राजस्थान रॉयल्स	दोपहर 3:30 बजे	कोलकाता
54	मई 4, रविवार	पंजाब किंग्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	शाम 7:30 बजे	धर्मशाला
55	मई 5, सोमवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम दिल्ली कैपिटल्स	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
56	मई 6, मंगलवार	मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात टाइटंस	शाम 7:30 बजे	मुंबई
57	मई 7, बुधवार	कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	शाम 7:30 बजे	कोलकाता
58	मई 8, गुरुवार	पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स	शाम 7:30 बजे	धर्मशाला
59	मई 9, शुक्रवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	शाम 7:30 बजे	लखनऊ
60	मई 10, शनिवार	सनराइजर्स हैदराबाद बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
61	मई 11, रविवार	पंजाब किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस	दोपहर 3:30 बजे	धर्मशाला
62	मई 11, रविवार	दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस	शाम 7:30 बजे	दिल्ली
63	मई 12, सोमवार	चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स	शाम 7:30 बजे	चेन्नई
64	मई 13, मंगलवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
65	मई 14, बुधवार	गुजरात टाइटंस बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स	शाम 7:30 बजे	अहमदाबाद
66	मई 15, गुरुवार	मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स	शाम 7:30 बजे	मुंबई
67	मई 16, शुक्रवार	राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग्स	शाम 7:30 बजे	जयपुर
68	मई 17, शनिवार	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स	शाम 7:30 बजे	बेंगलुरु
69	मई 18, रविवार	गुजरात टाइटंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स	दोपहर 3:30 बजे	अहमदाबाद
70	मई 18, रविवार	लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद	शाम 7:30 बजे	लखनऊ
71	मई 20, मंगलवार	क्वालीफायर 1	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
72	मई 21, बुधवार	एलिमिनेटर	शाम 7:30 बजे	हैदराबाद
73	मई 23, शुक्रवार	क्वालीफायर 2	शाम 7:30 बजे	कोलकाता
74	मई 25, रविवार	फाइनल	शाम 7:30 बजे	कोलकाता

पीएम सूर्यघर योजना से बिजली बिल में राहत

833 उपभोक्ताओं ने किया आवेदन, 69 घरों में लग चुके सौर संयंत्र

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ग्रामीण इलाकों में लोगों के बिजली खर्च को कम करने में मील का पत्थर साबित हो रही है। रायगढ़ जिले के ग्राम कोड़ातराई में इस योजना ने कई परिवारों को राहत पहुंचाई है, जिससे वे हर महीने हजारों रुपये की बचत कर पा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना न केवल लोगों के बिजली खर्च को कम कर रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभा रही है। रायगढ़ जिले के कोड़ातराई ग्राम में इस योजना की सफलता भविष्य में अन्य गांवों के लिए भी अनुकरणीय होगी।

ग्राम कोड़ातराई के निवासी श्री जयनारायण चौधरी और श्री राजेश कुमार चौधरी जैसे उपभोक्ताओं के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। श्री जयनारायण चौधरी ने बताया कि पहले उनका बिजली बिल हर माह 2000 से 2500 रुपये तक आता था, जब उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत आवेदन किया। एक माह के भीतर उनके घर पर 3 किलोवाट का सौर संयंत्र स्थापित हो गया, जिसकी कुल लागत 1 लाख 90 हजार रुपये थी। उन्हें इस पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई।

इसी तरह, श्री राजेश कुमार चौधरी ने विद्युत विभाग से संपर्क कर आवेदन किया और एक से डेढ़ सप्ताह के भीतर उनके घर पर 3 किलोवाट का सौर संयंत्र लग गया। इस संयंत्र से हर माह 300 से 350 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है, जिससे उनका बिजली बिल काफी कम हो गया है। दोनों उपभोक्ताओं ने इस योजना की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का मुख्य उद्देश्य देश के नागरिकों को सस्ती और स्थायी ऊर्जा प्रदान करना है। 29 फरवरी 2024 को लागू इस योजना के तहत सभी घरेलू विद्युत उपभोक्ता अपने घर की छत पर 1, 2 या 3 किलोवाट तक का सौर संयंत्र स्थापित कर सकते हैं। इस योजना का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ता को https://pmsuryaghar.gov.in पर आवेदन करना होगा। इससे औसतन 300 यूनिट तक की बचत के जरिए बिजली बिल में 2000 रुपये तक की कमी संभव है। इसके अतिरिक्त, इस योजना के तहत बैंक लोन भी उपलब्ध है, जिसमें उपभोक्ता को संयंत्र की लागत का 90 प्रतिशत तक बैंक लोन न्यूनतम 7 प्रतिशत ब्याज दर पर मिल सकता है।

रायगढ़ जिले में अब तक 833 उपभोक्ताओं ने योजना के लिए आवेदन किया है, जिनमें से 69 उपभोक्ताओं के घरों में सौर संयंत्र स्थापित हो चुका है। रायगढ़ जिले के ग्राम कोड़ातराई को आर्दश सौर ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। यहां के 187 पात्र आवेदकों में से 46 उपभोक्ताओं ने योजना के लिए आवेदन किया है और अब तक 4 उपभोक्ताओं के घरों में सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

सरगुजा वनमण्डल में अवैध नीलगिरी कटाई पर बड़ी कार्रवाई

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर और मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन में सरगुजा वनमण्डल ने नीलगिरी लकड़ी की अवैध कटाई और परिवहन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। वन अधिकारियों को वन संपदा की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने और कठोर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कई स्थानों पर छापेमारी कार्रवाई कर अवैध रूप से संग्रहित लकड़ी जब्त की गई, वहीं अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों को भी राजसात कर दिया गया। वन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध लकड़ी तस्करों में हड़कंप मच गया है। वनमंडलाधिकारी सरगुजा वनमंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब वनोपज परिवहन के लिए नेशनल ट्रांसिट पास सिस्टम (एनटीपीएस) पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य कर दिया गया है। मैन्युअल टी.पी. जारी करने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि लखनपुर परिक्षेत्र में 28 नग नीलगिरी लट्ठा (5.045 घ.मी.) और 2 नग बल्ली जप्त की गई तथा अम्बिकापुर परिक्षेत्र में हाईड्रा वाहन और नीलगिरी लट्ठा लोड ट्रक (सी.जी.15 ए.सी.4127) जब्त की गई है।

डिगमा की महिलाओं ने हर्बल गुलाल से बनाई पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अम्बिकापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत डिगमा की राधे कृष्णा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं हर्बल गुलाल का निर्माण कर अपनी अलग पहचान बना रही हैं। उनका यह प्रयास न केवल आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक कदम है, बल्कि लोगों को रासायनिक मुक्त और प्राकृतिक रंगों से सुरक्षित होली मनाने का भी अवसर दे रहा है।

बिहान की महिलाएं बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

समूह की महिलाओं ने बताया कि वे हर्बल गुलाल बनाने के लिए फलों, चुकंदर और पलाश के फूलों का उपयोग करती हैं, जिससे यह गुलाल पूरी तरह प्राकृतिक और त्वचा के लिए सुरक्षित होता है। यह पहल न केवल एक स्वस्थ विकल्प प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। पिछले वर्ष समूह ने 10 क्विंटल हर्बल गुलाल का विक्रय कर एक लाख 54 हजार रुपये की आमदनी अर्जित की थी। इस वर्ष उन्होंने बिक्री का लक्ष्य 20 क्विंटल निर्धारित किया है, जिससे उनकी आय और अधिक होगी।

महिला समूह द्वारा कलेक्ट्रेट कंपोजिट बिल्डिंग में लगाए गए हर्बल गुलाल के स्टॉल पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर सहित अन्य अधिकारियों ने भी होली के लिए हर्बल गुलाल खरीदा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाएं अब स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल का उपयोग करें और रासायनिक रंगों से बचकर प्राकृतिक और सुरक्षित होली मनाएं।

अद्भुत इंजीनियरिंग का रहस्य

बिना जोड़ के पत्थरों से बना घाघरा मंदिर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्थित घाघरा मंदिर अपने रहस्यमयी निर्माण और अनोखी स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध है। बिना किसी जोड़ने वाले पदार्थ के सिर्फ पत्थरों को संतुलित करके बनाई गई इस प्राचीन संरचना का झुका हुआ स्वरूप इसे और भी रोचक बनाता है। छत्तीसगढ़ के इतिहास और वास्तुकला का यह अनमोल रत्न आज भी अपने भीतर कई रहस्यों को समेटे हुए है।

जिले के मुख्यालय मनेंद्रगढ़ से लगभग 130 किलोमीटर दूर जनकपुर के पास स्थित इस मंदिर का रहस्य आज भी विशेषज्ञों के लिए अबूझ पहेली बना हुआ है। सदियों पुराना यह मंदिर किसी चमत्कार से कम नहीं, जो बिना किसी गारा-मिट्टी या चूने के इस्तेमाल के आज भी मजबूती से खड़ा है। घाघरा मंदिर का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी निर्माण शैली है। इतिहासकार मानते हैं कि यह मंदिर पत्थरों को संतुलित करके इस तरह खड़ा किया गया है कि किसी भी प्रकार की जोड़ने वाली सामग्री की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। यह तकनीक प्राचीन भारतीय वास्तुकला के अद्भुत कौशल को दर्शाती है। इस मंदिर का झुका हुआ स्वरूप इसे और भी रहस्यमयी बनाता है। माना जाता है कि किसी भूगर्भीय हलचल या भूकंप के कारण इसका झुकाव हुआ होगा, लेकिन इसके बावजूद सदियों से यह मंदिर अपनी मजबूती के साथ खड़ा है। घाघरा मंदिर के निर्माण काल को लेकर विशेषज्ञ एकमत नहीं हैं। कुछ इतिहासकार इसे 10वीं शताब्दी का बताते हैं, तो कुछ इसे बौद्ध कालीन संरचना मानते हैं। वहीं, स्थानीय निवासियों का मानना है कि यह एक प्राचीन शिव मंदिर है, जहां आज भी विशेष अवसरों पर पूजा-अर्चना होती है।

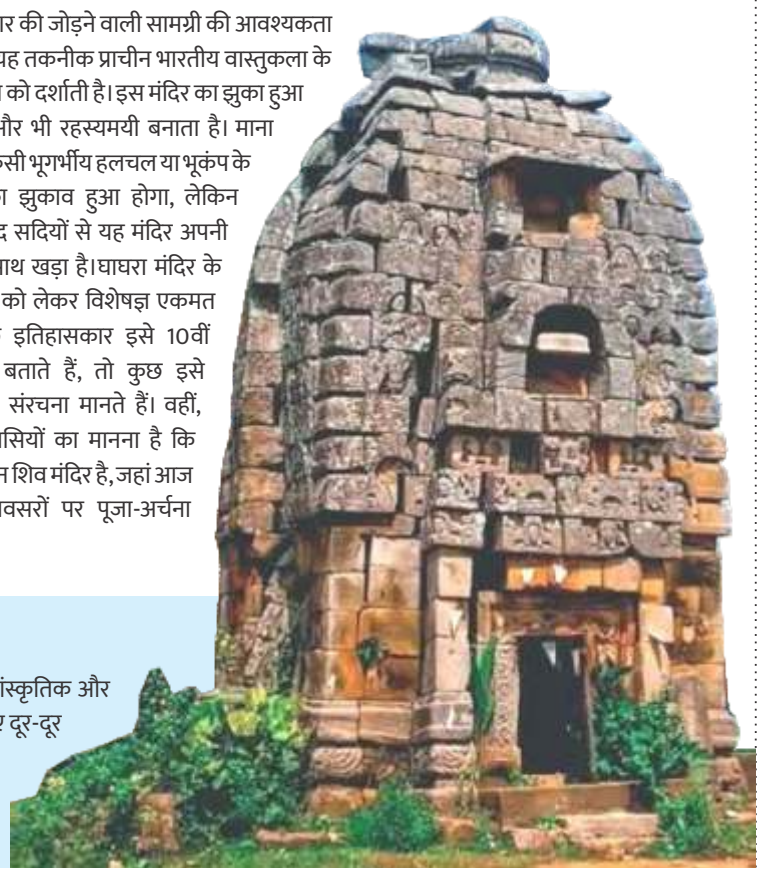

पुरातत्वविदों के लिए शोध का महत्वपूर्ण केंद्र

घाघरा मंदिर केवल श्रद्धालुओं का आस्था स्थल ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का भी अनमोल प्रतीक है। इस अद्भुत संरचना को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक और शोधकर्ता आते हैं। पुरातत्वविदों के लिए भी यह मंदिर एक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। विशेषज्ञों का मानना है इस मंदिर को उचित पहचान दी जाए, तो यह स्थल धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर से इंद्रावती नदी में जल प्रवाह सुनिश्चित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर में जल प्रवाह को नियंत्रित कर इंद्रावती नदी की मुख्य धारा में पानी छोड़ा गया है। ओडिशा सरकार की सहमति के बाद स्ट्रक्चर में रेत की बोरियां डालकर पानी का प्रवाह सुनिश्चित किया गया, जिससे इंद्रावती नदी में जल स्तर में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से इंद्रावती नदी के जल संकट के समाधान हेतु चर्चा की। इस पर केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा के मुख्यमंत्रियों को समस्या के निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिसके परिणामस्वरूप उड़ीसा राज्य की सहमति से जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर को अस्थायी रूप से एक फीट ऊंचा किया गया, जिससे इंद्रावती नदी के जल प्रवाह में सुधार हुआ। इंद्रावती नदी के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में जमा रेत को हटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसे अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर सी.पी. बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग और जल संसाधन विभाग के ईई श्री वेद पांडेय ने स्थानीय किसानों को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में पूरी जानकारी दी। इंद्रावती नदी का उद्गम ओडिशा राज्य के कालाहांडी जिले के रामपुर धुमाल गांव से हुआ है। यह नदी 534 किलोमीटर की यात्रा के बाद गोदावरी नदी में मिलती है। नदी का कैचमेंट एरिया 41,665 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें ओडिशा में 7,435 वर्ग किमी, छत्तीसगढ़ में 33,735 वर्ग किमी और महाराष्ट्र में 495 वर्ग किमी हैं।

साप्ताहिक शहर सत्ता

छत्तीसगढ़ का तुलसी है यूट्यूबर्स का गांव

रायपुर। यूट्यूब जैसी ही चमत्कृत करने वाली कहानी है तुलसी नेवरा की। रायपुर से 45 किमी दूर स्थित इस गांव को 'भारत का यूट्यूबर गांव' कहा जा रहा है। कुछ साल पहले तक इसकी पहचान एक औद्योगिक क्षेत्र की थी। यहां अदाणी का पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, प्लास्टिक फैक्ट्री और राइस मिल है। गांव में ही कॉलेज और आईटीआई भी है। लेकिन, इससे और पहले जाएं तो देश के दूसरे गांवों की तरह यहां के लोगों की दिनचर्या संगीतमय थी। कला इनके रगों में थी। कोई रामलीला में लोगों को गुदगुदाता तो कोई रावण बनकर सिहरन पैदा कर देता। किसी की आवाज में जादू था तो किसी की अंगुलियां तबले पर फिरकने के लिए लालायित रहती थीं। शायद विरासत में मिली यह थाती ही यूट्यूब के जमाने में ताकत बन गई। आज यहां का युवा कला जगत में धूम मचा रहा है। 40 से अधिक यूट्यूब चैनल आ गए। 15 चैनल मोनेटाइज हो चुके हैं।

जय-ज्ञानेंद्र की जोड़ी लाई गांव में 'यूट्यूब क्रांति'

जब गांव में जय और ज्ञानेंद्र के यूट्यूब चैनल की चर्चा होने लगीं तो अन्य युवाओं ने भी चैनल बनाने की इच्छा जाहिर की। अपने कई यूट्यूब चैनल बंद होने से सीख चुके इन युवाओं ने सभी का मार्गदर्शन किया। उन्होंने छोटी-छोटी तकनीकी बातों से रूबरू कराया। चैनल पर वीडियो कैसे अपलोड करना है, टाइटल क्या लिखना है, वीडियो कैसे एडिट करना है, थंबनेल और हैशटैग आदि की जानकारियां शेयर की। इसके बाद धीरे-धीरे गांव में कई यूट्यूब चैनल बनने लगे। जय बताते हैं कि हमारे गांव में कई पीढ़ियों से ग्रामीण रामलीला का मंचन करते आ रहे थे। युवाओं से एक्टिंग करवाना आसान था, लेकिन हमने 50 पार के ग्रामीणों को भी प्रेरित किया। रामलीला में राम का किरदार निभाने वाले 53 वर्षीय राघव वैष्णव ने बताया कि मेरे पिता भी रामलीला में काम करते थे।

पिंकी साहू : एल्बम से शुरुआत, फिल्में भी कर रहीं

तुलसी गांव की पिंकी साहू छालीवुड की दो-तीन चर्चित फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साथ ही, 10-12 फिल्मों में उन्हें छोटे-छोटे रोल मिल चुके हैं। कुछ फिल्में आने वाली भी हैं। अभिनेत्री व डबिंग आर्टिस्ट पिंकी ने बताया कि बचपन से ही उन्हें अभिनय का शौक था, लेकिन कामेडी वीडियो, म्यूजिक 'वीडियो से लेकर फिल्म तक का सफर आसान नहीं था।

पहले उनके परिवार के लोग, विशेषकर भाई बिल्कुल सपोर्ट नहीं करते थे। बहुत ज्यादा नाराज थे, लेकिन जैसे जैसे प्रसिद्धि मिली परिवार का सपोर्ट मिलने लगा। आज मैं अपने गांव से दूर रायपुर शहर में रहकर अपना फिल्मी करियर बना रही हूं। पिता किसान और मां मितानिन (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) हैं। वह कहती हैं- वर्ष 2021-22 में मैंने वीडियो बनाना शुरू किया था। 2024 में 'तै मोर सोना', आनंद दास मानिकपुरी की फिल्म 'ए ददा रे', प्रणव झा की मूवी 'बीए फाइनल' में मेरा यादगार रोल रहा है।' कालेज के नालेज' फिल्म की शूटिंग चल रही है।

आदित्य बघेल : यूट्यूब से सिनेमा का सफर

लेखक और असिस्टेंट डायरेक्टर व अभिनेता आदित्य बघेल की पहली छालीवुड फिल्म 'खारून पार' पिछले वर्ष आई थी। वह कहते हैं- यह मेरी पहली फिल्म है। इसके साथ ही इनसाइड ओरिजनल्स प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली वेब सीरीज 'सरकारी अफसर' एवं फिल्म 'सट्टा मटका' का भी हिस्सा हूं। मेरे यूट्यूब चैनल 'आदित्य बघेल' एवं 'बीइंग छत्तीसगढ़िया' पर 50 से अधिक शार्ट वीडियो बनाए हैं। आदित्य ने बताया कि जिस समय यूट्यूब में करियर बनाने की शुरुआत की थी, उस समय राज्य में केवल एक ही चैनल था '36 गढ़िया'। उसे मैंने देखना शुरू किया। फिर 'बीइंग छत्तीसगढ़िया' चैनल आया। अभी मेरे चैनल के 25 हजार से अधिक सब्सक्राइबर हैं। इस बीच उनके साथ काम करने का भी मौका मिला। बचपन के किस्सों को लिखकर कहानी बनाता। लोगों को भी यह 'पसंद आने लगा। आदित्य के चैनल पर 'बिहाव के तैयारी' और तीजा पोरा के तिहार, इन दो वीडियो में 10 लाख से अधिक व्यूज आ चुके हैं।

मनोज यदु : बीइंग छत्तीसगढ़िया चैनल से छालीवुड तक

बचपन से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले मनोज यदु को वर्ष 2016 में यूट्यूब चैनल के जरिएं बड़ा प्लेटफार्म मिला। उन्होंने लगभग 200 वीडियो में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। उनके यूट्यूब चैनल 'निमगा छत्तीसगढ़िया' पर अभी 10 हजार सब्सक्राइबर है। उन्होंने अगस्त 2024 में रिलीज आनंद दास मानिकपुरी की फिल्म 'ए ददा रे' में अभिनय भी किया। इसमें उन्होंने गोदन का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। कभी एक नामी कंपनी में फाइनेंस एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत रह चुके मनोज अब जब अपने क्षेत्र में जाते हैं तो लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लालायित रहते हैं।

मनोज हर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आते थे। वर्ष 2021 में उन्होंने अपना यूट्यूब चैनल बनाया था। इस यूट्यूब को चलाने के लिए इसकी एल्गोरिदम् को भी समझा। इस चैनल पर अब तक वह आठ वीडियो अपलोड कर चुके हैं। इनमें से कुछ वीडियो पर एक लाख से अधिक व्यूज भी आ चुके हैं।

अभिषेक वर्मा (गोल्ड) : बनाई म्यूजिक कंपनी

संगीत को अपना पेशा बना चुके अभिषेक वर्मा उर्फ गोल्ड का सफर रोमांचक रहा है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़ कर अब वह दिल्ली में 'डोज ड्रिप्ज' म्यूजिक कंपनी बनाकर प्रतिभाओं को अवसर दे रहे हैं। वे 100 से अधिक निर्माताओं और मिक्सिंग इंजीनियरों के साथ काम कर रहे है। उनकी कंपनी का गाना 'यादें तेरी' इंस्टाग्राम पर ट्रेंड कर रहा है। तुलसी गांव में उनके पिता यशवंत वर्मा कवि के तौर पर पहचाने जाते हैं। अपने पिता से प्रेरणा लेकर उन्होंने गाने लिखना शुरू किया था। भिलाई से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई छोड़कर वे दिल्ली पहुंचे और यहां आडियो इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। हालांकि उनकी संगीत यात्रा वर्ष 2017 में कोटा, राजस्थान में जेईई की तैयारी के दौरान ही शुरू हो गई थी। इस अहसास ने उन्हें नया मिशन दिया - संगीत से छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना और लोगों की धारणा को बदलना। साथ ही पंजाबी गीतों की तरह छत्तीसगढ़ी लोकगीतों को लोकप्रिय बनाने का भी लक्ष्य तय किया है।

छॉलीवुड की मायानगरी

आज जो नए टेकनीशियन और डायरेक्टर आ रहे हैं वह कमाल का काम कर रहे है। सहीं मायनों में कहूं तो हमारी इंडस्ट्री जो है अब जाकर वह नौ यौवन अवस्था में आई है। जो कॉपरिट कल्चर आ रहा है इसमें कोई बुराई नहीं कॉपरिट कल्चर आना चाहिए लोगों को प्रोफेशनल होना चाहिए, लेकिन मैं समझता हूं कि प्रोफेशनल हर मामले में होना चाहिए प्रोफेशनल का मतलब यह होता है कि आप सबको मौका दो सबको उनका मेहनताना या पारिश्रमिक ठीक-ठाक दें। यदि आप अच्छे बजट की फिल्म मना रहे हो तो एक डायरेक्टर से लेकर फिल्म मेकिंग से जुड़े सबसे अंतिम व्यक्ति का पेमेंट सम्मानजनक और न्यायोचित हो।

आज बहुत सारे डायरेक्टर राइटर है, जो अच्छी स्क्रिप्ट लेकर बैठे हैं उनको सपोर्ट नहीं मिल रहा है। ऐसे कॉर्पोरेट कल्चर के आने से यदि छोटे डायरेक्टर और नए डायरेक्टर न्यू कमर्स जो है उन लोगों को यदि उनको प्लेटफॉर्म दिया जाये सपोर्ट करें बैकबोन बनने की कोशिश करें तो मुझे लगता है कि इंडस्ट्री का सिनेरियो अलग ही होगा। रही बात ओटीटी प्लेटफॉर्म कि अगर हो तो मुझे लगता है कि उसका बहुत ज्यादा फायदा कलाकारों को तो नहीं मिलने वाला है, क्यों क्यों कि OTT प्लेटफॉर्म जो है आज , नेटफ्लिक्स, अमेज़ान इन सब की बात अलग है।

आप लोकल लेवल पर क्या ही बना पाओगे ? लोकल लेवल पर यदि आपको OTT प्लेटफॉर्म बनता है तो उससे प्रोडूसर को क्या फायद होने वाला है ? प्रोडूसर को क्या उससे पैसे मिल रहे हैं ? किस तरह से पैसे मिल रहे हैं ? दूसरी बात जो कलाकार आ रहे हैं, काम कर रहे हैं। उनको क्या उसकी रॉयल्टी मिलेगी, मैं समझता हूँ कि रॉयल्टी तो राइटर को भी मिलनी चाहिए, संगीत निदेशक को भी मिलनी चाहिए, और जो निदेशक है उसको भी मिलनी चाहिए। क्योंकि एक फिल्म अगर प्रमोट होती है, ओटीटी पे चल जाती है, तो सबको फायदा मिलना चाहिए, तो कॉर्पोरेट कल्चर आने से नुकसान कहीं पर नही है। मुझे लगता है कि जितने नए कलाकार आ रहे हैं उनका तो स्वागत होना ही चाहिए लेकिन नए उभरते डायरेक्टर्स जो हैं मुझे लगता है कि एक हम लोगों को इंडस्टी के लोगों को इंडस्टी के सीनियर्स को एक प्रशिक्षण सत्र या कक्षाएं शुरू करनी चाहिए, यदि ऐसी कोई पहल होती है तो उसमें सबसे पहले मैं तन, मन, धन से सपोर्ट करूँगा।

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 25 साल बाद, अगर हम फ़िल्म सिटी के बारे में सोच रहे हैं, तो हम अब भी बहुत पीछे हैं, हमें ये काम कब का कर लेना चाहिए था। अगर सरकार चाहती है तो सहायता समूह है, इतनी महिलाएं हैं, आप उनको एक बजट दो, उनके गाव की एक जमीन लो, वहाँ 200, 300, दर्शक क्षमता का छोटा मीनी थिएटर निर्माण हो। हम जैसे प्रोडूसर या फिल्मकार लोग जाएंगे, तो हमें खिराया देकर ही अंदर घुसने मिलेगा, ऐसा तो नहीं कि फ्री में मिल जाएगा वो, लोकल डारेक्टर प्रोडूसर्स को तो यहाँ पूरे कंक्रीट लेवल पर सब्सीडी मिलनी चाहिए, ऐसा ना हो कि सफल, कमाऊ और नामचीन को ही सब्सीडी मिले।

बिखरी हुई है इंडस्ट्री, ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर की जरुरत: डॉ शांतनु

छत्तीसगढ़ी फिल्म, "कुरुकशेत्र" और अब आगामी फिल्म "दंतैला" मचाएगी धूम

एक प्रोफेशनल डॉक्टर भी छालीवुड की मायानगरी के बेहद कायल है। पेशे से काबिल और फिल्म में भी कामयाब है। डॉ शांतनु पाटनवार 10,12 वर्षो से ऑडियो वीडियो इंडस्ट्री में काम कर रहा हैं। फिल्म में, एक राइटर और डायरेक्टर के बतौर भी काम कर रहे हैं। इससे पहले, उनकी छत्तीसगढ़ की फिल्म, "कुरुकशेत्र" नाम से आ चुकी है, जिसका डायरेक्शन भी उन्हीं ने किया। अभी हाल ही में, कुछ समय बाद डॉक्टर शांतनु की एक और फिल्म, "दंतैला", आने वाली है, इसके लेखक, निदेशक और संपादन कार्य भी इन्हीं का है।

प्रोडक्शन हाउस, "अरीहान फिल्मस", के अंतर्गत उनकी यह मूवी बनाई गई है। फिल्मों में आने से पूर्व गवर्नमेंट प्रोजेक्ट्स, और शॉर्ट फिल्मस, और म्यूजिक एल्बम्स करते थे। बहुत सी छत्तीसगढ़ी फिल्म, एल्बम्स, और हिंदी एल्बम्स के बाद वे काफी मशक्कत के बाद फिल्म निर्माता बने हैं। फिल्म मेकर होने के साथ-साथ एक डेंटल सर्जन हैं। शांतनु के मुताबिक तीन साल मैंने सिविल सर्विसिस पढ़ाया। उन दिनों, बहुत सारी छत्तीसगढ़ी परिवेश की जितनी कहानियां हैं वो मेरे सामने आईं, और मुझे ऐसा लगा कि ये कहानियां जो हैं वो छत्तीसगढ़ को भी सुननी चाहिए, और छत्तीसगढ़ के बाहर देशभर में ये सब कहानी पहुंचनी चाहिए। बस तब से अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री, छत्तीसगढ़ी फिल्मस के लिए ही काम कर रहा हूं, और आगे भी करता रहूँगा।

जो टेक्निकल क्रू, बाहर के जो कास्ट हैं, छत्तीसगढ़ से बाहर चले गए थे, वो कोविड के समय के बाद वापस भी आए, तो अब टेक्निकली ज्यादा बेटर फिल्मस हमको दिखाई भी दे रही है, और लोग अब पहले से ज्यादा पसंद भी कर रहे हैं। मुझे ऐसा लगता है कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा का जो भविष्य है, बहुत शानदार है, खासकर वो इसलिए क्योंकि यहां की लैंग्वेज को पसंद करने वाले, प्यार देने वाले जो हमारे दर्शक हैं, वो बहुत बायस्ड और बहुत जुनूनी हैं।

लेकिन, छॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्रीज एक ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर की तरह काम करेगी तो एक सेटल्ड तरीका सामने दिखेगा कि कैसे मूवी को रिलीज किया जाए । मुझे ऐसा लगता है कि बिखरी हुई इंडस्ट्री है, एक एडमिनिस्ट्रेशन, एक ऑर्गेनाइज्ड सेक्टर के तौर पर इसे ग्रो करना चाहिए। पुराने लोग जो हैं जो मेकर्स हैं, उनको इसका बीड़ा उठाना चाहिए। तो, ये अचानक फ्लोरिश करेगी और बहुत ज्यादा ग्रो करेगी,साफ-सुथरी इंडस्ट्री है। लोग देखना चाहते हैं और हम दिखाना भी चाहते हैं। तो, ऐसे ग्रोथ संभव है और मुझे ऐसा लगता है आने वाले 5-7 सालों में एक नया मुकाम बनाएगी छत्तीसगढ़ी इंडस्ट्री पूरे नेशनल लेवल तक।

प्रोफेशनल आर्टिस्ट की बहुत ज्यादा कमी है

बहुत सारी कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है छत्तीसगढ़ी फिल्मस में काम करने वाले प्रोफेशनल आर्टिस्ट की बहुत ज्यादा कमी है। पैशनेट रहते हैं, लेकिन प्रोफेशनल नहीं हैं बाकी इंडस्ट्रीज़ के मुकाबले में। तो, बहुत ज्यादा तकलीफ का सामना करना पड़ता है , प्रोड्यूसर के द्वारा, फैमिली ड्रामा जो बनता था, सिर्फ उसी को ही एंटरटेन किया जाता था। लेकिन अब ऐसे प्रोड्यूसर भी आ गए हैं, विगत दो-तीन सालों में, जो नई कहानियों को कहने में आपकी मदद करते हैं और जो चाहते हैं कि ऐसी कहानियां बने। इसलिए अब नए लोग जुड़ भी रहे हैं।

लांच होते ही छत्तीसगढ़ी एल्बम मिलियन पहुँचता है

छत्तीसगढ़ी गाना या म्यूजिक एल्बम अगर लॉन्च होता है, तो वो तुरंत मिलियन पहुंच जाता है जबकि टी-सीरीज़ जैसे बड़े लोग भी अपने बड़े कास्ट के साथ जब गाना लॉन्च करते हैं, तो उनको भी मिलियन पहुंचने में बहुत समय लगता है, और कुछ गाने तो पहुंचते भी नहीं हैं। और छत्तीसगढ़ी के रीजनल होने के कारण, रीजनल प्यार मिलने के कारण, वो बहुत आसानी से उस फिगर को टच करता है। तो, इसलिए मूवीज़ जो भी बनती हैं, उनको भी प्यार अक्सर मिलता है। तो, प्रोपोर्शन वाइज भी अगर देखें हम लोग, तो जितने लागत में बनती है मूवी, अगर मूवी हिट होती है, तो उससे आठ-दस गुना मुनाफा भी मिलता है।

इस महीने छालीवुड में बैक टू बैक तीन फिल्में मचाएंगी धूम

दो फिल्म की एक ही रिलीज डेट, भूपेश का डेब्यू, अजय का ट्रांसफार्मेशन, शिवा को दूसरा मौका और नितिन की आजमाइश

शहर सत्ता/ रायपुर। इस साल सात फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, 21 मार्च तक संख्या सात से बढ़कर 10 हो जाएंगी। एलबम से फिल्मों में भूपेश लिलहारे मया के पाती से डेब्यू कर रहे हैं। डोंगरगढ़ क्षेत्र के रहने वाले भूपेश ने रायपुर के प्रगति कॉलेज से पढ़ाई की है। स्कूल के दिनों से ही उनकी रुचि डांस में हो गई थी। इनकी फिल्म मया के पाती 21 मार्च को रिलीज हो रही है। इनके ऑपोजिट काजल सोनबेर दिखाई देंगी।

विलेन से चर्चित अजय पटेल के लिए यह समय ट्रांसफार्म का है। वे पहली बार किसी फिल्म में हीरो के तौर पर दिखाई देंगे। उनकी फिल्म झन जाबे परदेस 21 मार्च को रिलीज हो रही है। को एक्ट्रेस हैं ऋतु विश्वकर्मा। देखने वाली बात होगी कि हर फिल्म में मार खाने वाले अजय हीरो बनकर किसकी पिटाई करेंगे।

15 मार्च को लॉक डाउन के मया रिलीज हो रही है। इसमें नितिन ग्वाला और शिवा साहू की जोड़ी नजर आएगी। माटी पुत्र के जरिए डेब्यू करने वाले शिवा को यह दूसरा मौका है। लगभग सालभर बाद उनकी बड़े पर्दे पर वापसी है। वहीं नितिन ग्वाला फूल फ्लैश हीरो के तौर पर दिखाई देंगे। मोर छैयां भुईयां 2 में विलेन रह चुके नितिन ने मया 3 और मया के मंदिर में भी हीरो की भूमिका निभाई थी। देखने वाली बात होगी कि इनकी फिल्में इन चारों के करियर को कितनी रफ्तार देगी।

अमन और तरक्की पर जोर नक्सलवाद हुआ कमजोर

विशेष संवाददाता विकास यादव की रिपोर्ट

नक्सल हिंसा पर कड़ा अंकुश और जनता को गले लगाने की सरकार की रणनीति कारगर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहले ही कह चुके हैं कि बोली का जवान बोली से और गोली का जवान गोली से दिया जाएगा। सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर इस दौरान बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण भी किया है। नक्सलवाद के विरुद्ध इस सरकार का बीते एक वर्ष का कार्यकाल गेम चेंजर साबित हुआ है। पहले बस्तर के जंगल से जवानों की शहादत की तस्वीरें आती थीं, अब सफलता की कंहानियाँ आ रही हैं।

नियद नेल्ला नार योजना से पहुँच रहीं बुनियादी सुविधाएँ

विष्णु देव सरकार की नियद नेल्ला नार यानी आपका अच्छा गाँव योजना नक्सल प्रभावित इलाकों के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रथम चरण में इस योजना में 38 नए सुरक्षा कैंपों के 5 किलोमीटर के दायर के 10 गाँवों में विकास का काम किया जा रहा है। शासन के 17 विभागों की 52 हिताग्रही मूलक योजनाओं तथा 31 सामुदायिक सुविधाओं को इस योजना के जरिए जनता तक पहुंचाया जा रहा है। विकास से अछूते रहे इलाकों में सड़क, स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, राशन कार्ड आदि सुविधाएँ पहुंचने लगी है।

22 अक्टूबर को सुकमा जिले के भेजी थाना क्षेत्र में हुई एक मुठभेड़ में 40 लाख रुपये के इनामी 10 नक्सलियों को मारने के बाद जवानों ने डांस कर इस सफलता का जश्न मनाया। आदिवासी नृत्य करते जवानों का यह वीडियो तत्काल देश-दुनिया में वायरल हो गया। यह सफलता मामूली नहीं थी। नक्सलियों के कोर इलाके में जवान 60 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे थे। उन्होंने तीन रातें जंगल में छुपकर बिताई और दबे पाँव नक्सलियों को घेर लिया। नक्सलियों को संभलने का मौका नहीं मिला। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार में जवान लगातार नक्सलियों पर भारी पड़ रहे हैं। इस सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में फोर्स ने 213 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया है। उनके शव बरामद किए है। देश के किसी भी राज्य में एक वर्ष में इससे पहले इतनी बड़ी सफलता कहीं नहीं मिली थी।

19 नवंबर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर जिले के सेड़वा सीआरपीएफ कैप में जवानों के साथ रात बिताई। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री विजय शर्मा नक्सल कमांडर हिड़मा के गाँव सुकमा जिले के पुवर्ती तक पहुँचे थे। सरकार जवानों के साथ हर मोर्चे पर खड़ी है और इसी का नतीजा है कि नक्सल मोर्चे पर लगातार सफलता मिल रही है। 24 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर में नक्सल प्रभावित राज्यों के गृह मंत्रियों की बैठक लेकर देश से नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए 31 मार्च 2026 तक की डेडलाइन निर्धारित की थी। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिशा में दृढ़ता से कदम बढ़ा रही है। नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की गति तेज की गई है और हिंसा का माकूल जवाब दिया जा रहा है।

विष्णु सरकार में नक्सलवाद पर प्रहार

तारीख	जिला	थाना	जंगल	नक्सली ढेर
23-3-2024	बीजापुर	बासागुड़ा	चिकुरभट्टी	06
2-4-2024	बीजापुर	गंगालूर	लेंझ कोरचोली	13
16-4-2024	कोकर	छोटेबेठिया	कल्पर	29
30-4-2024	नारायणपुर	सौनपुर काकुर	टेकमेटा	10
10-5-2024	बीजापुर	गंगालूर	पीडिया	12
23-5-2024	दंतेवाड़ा	बारसूर	रेकावाया-कोरोवाराया	08
7-6-2024	नारायणपुर	ओरछा	भटबेड़ा का जंगल	06
15-6-2024	नारायणपुर	ओरछा	फरसबेड़ा का जंगल	08
2-7-2024	नारायणपुर	कोड नाम	समंडी का जंगल	05
29-8-2024	नारायणपुर	सौनपुर	आदनार व बुरकुल	03
3-9-2024	दंतेवाड़ा	किरंदुल	लौहागांव का पुरंगेल एंट्री	09
23-9-2024	नारायणपुर	सौनपुर	बालेबेड़ा-परियादी	03
4-10-2024	दंतेवाड़ा	बारसूर	थुलथुली	31
8-10-2024	बीजापुर	उसूर	रखापल्ली-कोटमपल्ली	03
16-11-2024	नारायणपुर	कांकेर	अबूझमाड़ का जंगल	05
22-11-2024	सुकमा	भेज्जी, कोराजगुड़ा दंतेशपुरम		10

मार्च 2026 तक नक्सलियों के लिए आत्मसमर्पण अभियान एक अवसर

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल उन्मूलन के लिए सामूहिक आत्मसमर्पण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। सरकार की नई पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। इस नीति का उद्देश्य अधिक से अधिक नक्सलियों को हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में वापस लाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कैबिनेट नक्सल प्रभावित इलाकों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण-पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 को मंजूरी दे दी है।

नक्सल विरोधी अभियान को और मिलेगी मजबूती

राज्य सरकार के इस कदम से नक्सल प्रभावित जिलों में हिंसा को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। सामूहिक आत्मसमर्पण अभियान से उन नक्सलियों को विशेष राहत मिलेगी जो संगठन छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं।

आत्मसमर्पण करने वालों को मिलेगी शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा

नई नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर, आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षा दी जाएगी। सरकार का मानना है कि यह नीति न केवल नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करेगी बल्कि राज्य में शांति और विकास की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगी।

नक्सलवाद के खात्मे के लिए रोडमैप तैयार

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जनवरी 2024 में रायपुर में बैठक लेकर नक्सलवाद के खात्मे के लिए रोडमैप तैयार किया था। इसमें नक्सली गतिविधियों की सतत निगरानी करना, नक्सलियों की मांद में उन्हें घेरकर मारना और नक्सलवादी विचारधारा में जुड़े युवाओं को मुख्यधारा में लाना है। इसी रोडमैप के तहत अब नक्सली विचारधारा से जुड़े युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए सरकार सामूहिक आत्मसमर्पण की नीति के हिसाब से आगे बढ़ रही है।

मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य

राज्य सरकार ने मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में सरकार को अब सिर्फ एक साल का समय बचा है। विष्णुदेव साय सरकार के 14 महीने के कार्यकाल में अब तक 300 से अधिक नक्सली मारे जा चुके हैं और 1,000 से ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। अब सरकार सामूहिक आत्मसमर्पण नीति के जरिए इस प्रक्रिया को और तेज करने की रणनीति बना रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-22683361, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी